संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 165
पृष्ठ 8
शुक्रवार
06 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कर्ली बालों में खूबसूरत दिखने के...

विचार- पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े...

खेल- क्या भारत से मिली सीख आई काम?...

रणनीतिक साझेदारी पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

भारत और फिनलैंड साझा मूल्यों वाले लोकतांत्रिक देश हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। संयुक्त प्रेस बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा है और भारत के लिए उनका स्वागत करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि अलेक्जेंडर स्टब एक प्रसिद्ध वैश्विक नेता होने के साथ–साथ सम्मानित विचारक और लेखक भी हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि इस वर्ष आयोजित होने वाले रायसीना डायलॉग में राष्ट्रपति स्टब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रहे हैं, जो भारत के लिए गर्व की बात है। फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब ने भारत को दुनिया के सबसे प्रभावशाली देशों में से एक बताते हुए कहा कि भारत यूरोप के लिए एक अहम रणनीतिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और उसकी व्यावहारिक तथा यथार्थवादी विदेश नीति दुनिया के लिए एक उदाहरण है। स्टब ने कहा कि भारत ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए बहुपक्षवाद और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि हम सभी को थोड़ा–सा और भारतीय बनने की जरूरत है। उन्होंने नई दिल्ली और जल्द होने वाली मुंबई यात्रा का जिक्र करते हुए भारत के आर्थिक विकास को एक आर्थिक चमत्कार बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड साझा मूल्यों वाले लोकतांत्रिक देश हैं और दोनों देशों का लक्ष्य एक स्वस्थ और टिकाऊ ग्रह सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भारत और फिनलैंड मिलकर वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी करेंगे, जिससे सतत विकास के प्रयासों को नई गति मिलेगी।

मोदी ने कहा कि दोनों देश कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं और इस बात पर सहमत हैं कि किसी भी मुद्दे का समाधान केवल सैन्य संघर्ष से संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों को समाप्त करने और शांति स्थापित करने के हर प्रयास का भारत समर्थन करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापक माइग्रेशन और मोबिलिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए फिनलैंड में अवसर बढ़ेंगे और दोनों देशों के नवाचार तंत्र आपस में जुड़ेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूल–टू–स्कूल साझेदारी और भविष्य की शिक्षा पर शोध सहयोग को भी विस्तार देने पर सहमति बनी है। मोदी ने कहा कि भारत और फिनलैंड डिजिटल तकनीक, बुनियादी ढांचे और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति स्टब की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने डिजिटलाइजेशन और सस्टेनेबिलिटी के क्षेत्र में अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साझेदारी के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6जी दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में सहयोग तेज किया जाएगा। इसके अलावा रक्षा, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि नोकिया के मोबाइल और दूरसंचार नेटवर्क ने भारत के लाखों लोगों को जोड़ा है। साथ ही फिनलैंड के वास्तुकारों के सहयोग से चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बनाया गया और असम के नुमालीगढ़ में दुनिया की सबसे बड़ी बांस–से– बायोएथेनॉल रिफाइनरी भी दोनों देशों की साझेदारी का उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक हालात पर बात करते हुए कहा कि दुनिया इस समय अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, जहां यूक्रेन से लेकर पश्चिम एशिया तक संघर्ष जारी हैं।

अमित शाह ने की नितिश कुमार की जमकर तारीफ, कहा-

स्वर्णिम अध्याय है उनका कार्यकाल

पटना, एजेंसी। गुरुवार को बिहार में एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला, जब मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नीतीश कुमार के अलावा, उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन सहित अन्य एनडीए उम्मीदवारों ने भी उच्च सदन के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से अधिक समय तक इस पद पर रहने के बाद राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और मौजूदा चुनाव में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 75 वर्षीय नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि नए मंत्रिमंडल को उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा। नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा कि मैं नितिन नबीन, नीतीश कुमार, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और सुदेश राम के राज्यसभा नामांकन समारोह में शामिल होने पटना आया हूँ। नितिन नबीन ने राज्य में एक लंबे और सफल राजनीतिक करियर के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और अब राज्यसभा के माध्यम से संसद में भी अपना योगदान देंगे। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही, लंबे अंतराल के बाद वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे। शाह ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका कार्यकाल वास्तव में गौरवशाली रहा। यह कार्यकाल बिहार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा, जिसने बिहार के विकास के सभी पहलुओं को आकार दिया। विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने लंबे करियर में उनका कुर्ता कभी कलंकित नहीं हुआ। उनका पूरा जीवन भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक उन्होंने बिहार की प्रगति में हर तरह से महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हीं के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी की सभी पहलें बिहार की जनता तक पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली लौट रहे हैं। मैं और हमारे सभी एनडीए सहयोगी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं, और मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल बिहार की जनता द्वारा हमेशा याद रखा जाएगा और सम्मान दिया जाएगा।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, पूछा-

जंग हमारे घर तक आ गई,अब तक चुप क्यों?

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फिर हमला बोला है। मामला हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत के डूबने से जुड़ा है। आरोप है कि श्रीलंका के पास एक अमेरिकी पनडुब्बी ने इस जहाज पर हमला किया था। राहुल गांधी ने इस घटना पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। राहुल ने कहा कि ऐसे समय में देश को एक स्थिर नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने आगे लिखा, यह संघर्ष हमारे घर तक आ गया है।

ग्रेनो वेस्ट दौरे पर सीएम योगी अस्पताल उद्घाटन के बाद बोले-

डॉक्टर का अच्छा व्यवहार मरीज की आधी बीमारी को खत्म कर देता है

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केडीएसजी अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व क्रिकेटर कपिल देव, प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह, विधायक तेजपाल नागर, धीरेन्द्र सिंह, सांसद डॉ. महेश शर्मा, प्रमोटर सुनील कुमार गुप्ता, डॉ. अजिंक्य डीवाई पाटिल मौजूद रहे। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि डॉक्टर का अच्छा व्यवहार मरीज की आधी बीमारी को खत्म कर देता है। जैसे कपिल देव टीम को लीड करते थे तो पाकिस्तान की टीम हार जाती थी। ग्रेनो वेस्ट में आज उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ एक निजी अस्पताल का उद्घाटन करने के लिए पहुंचेंगे। सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम के चलते यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री दोपहर बाद करीब 4 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे और लगभग 40 से 60 मिनट तक वहां रुकेंगे। वह हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। कार्यक्रम स्थल के पास हेलिपैड बनाया गया है। जहां मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उतरेगा। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार कार्यक्रम सेक्टर–10 क्षेत्र में आयोजित किया जाना है। जिसमें विशिष्ट महानुभावों के आगमन की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत कार्यक्रम के दौरान कई प्रमुख मार्गों पर आवश्यकतानुसार कुछ समय के लिए वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया जा सकता है या ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। डायवर्जन के दौरान आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहनों को किसी प्रकार की बाधा नहीं होगी। एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता के साथ सुरक्षित रूप से निकाला जाएगा। लोग अनावश्यक रूप से इन मार्गों पर जाने से बचें और यात्रा के लिए वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें। साथ ही यदि किसी प्रकार की यातायात समस्या उत्पन्न होती है तो वाहन चालक यातायात हेल्पलाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं। यातायात पुलिस के अनुसार कार्यक्रम के दौरान 130 मीटर रोड और उससे जुड़े प्रमुख चौराहों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। जिन स्थानों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जा सकता है। उनमें तिलपता गोलचक्कर, स्वर्गीय राजेश पायलट गोलचक्कर, गलैक्सी गोलचक्कर, एकमूर्ति गोलचक्कर, इटहेड़ा गोलचक्कर, किसान चौक, पर्थला गोलचक्कर, सेक्टर–71, सेक्टर–60, सेक्टर–62 तथा औद्योगिक क्षेत्र बादलपुर स्थित पुलिस चौकी के आसपास के मार्ग शामिल हैं। इन स्थानों पर वीआईपी मूवमेंट के दौरान कुछ समय के लिए यातायात रोका जा सकता है।

कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों के लिए अलग–अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। विशिष्ट अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सामान्य आगंतुकों के वाहनों की पार्किंग सेक्टर–10 ग्रेटर नोएडा वेस्ट में केडीएसजी अस्पताल के सामने स्थित खाली मैदान में कराई जाएगी। वहीं पुलिस और अन्य विभागों के वाहनों को वैदपुरा स्थित ओक्टोव स्पोर्ट्स क्लब क्रिकेट ग्राउंड में पार्क कराया जाएगा। इसके अलावा केडीएसजी अस्पताल के कर्मचारियों और सामान्य आगंतुकों के लिए रिनॉक्स ग्रुप की निर्माणाधीन सोसायटी के सामने खाली प्लॉट में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

प्रयागराज से दिल्ली के लिए चलेंगी पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज। होली मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने बड़ी राहत दी है। रेल प्रशासन ने अलग–अलग तिथि में प्रयागराज से दिल्ली के बीच पांच स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है।

होली मनाने के बाद वापस लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर मध्य रेलवे ने बड़ी राहत दी है। रेल प्रशासन ने अलग–अलग तिथि में प्रयागराज से दिल्ली के बीच पांच स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें पांच मार्च से दस मार्च के बीच संचालित की जाएंगी। इससे यात्रियों को कन्फर्म सीट के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार गाड़ी संख्या 04141/04142

प्रयागराज से पांच मार्च और दिल्ली से छह मार्च को , गाड़ी संख्या 04143/04144 प्रयागराज से छह मार्च और दिल्ली से सात मार्च को, गाड़ी संख्या 04145/04146 प्रयागराज से सात मार्च और दिल्ली से आठ मार्च को, गाड़ी संख्या 04147/04148 प्रयागराज से नौ मार्च और दिल्ली से दस मार्च को और गाड़ी संख्या 04149/04150 प्रयागराज से आठ मार्च और दिल्ली से नौ मार्च को संचालित होगी।

इन सभी का ठहराव फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, अलीगढ़, दादरी और गाजियाबाद स्टेशनों पर होगा। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इन विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया आठ मार्च वाली स्पेशल रात 8रू00 बजे चलकर अगले दिन सुबह 9रू00 बजे दिल्ली स्टेशन पहुंच जाएगी। अन्य तिथियों में इसकी रवानगी रात 9रू30 बजे होगी , जो अगले दिन सुबह 9रू00 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में दिल्ली से सुबह 10रू15 बजे चलकर ट्रेन रात 11रू45 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंच जाएगी।

होलागढ़ में गाड़ी हटाने के विवाद में अधेड़ को कार सवार बदमाशों ने मारी गोली, हालत नाजुक

प्रयागराज। बुधवार की दोपहर कस्तूरीपुर हरिकिशन गांव में रास्ते से गाड़ी हटाने को लेकर राम आसरे यादव को कार सवार बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई। गोली लगने से अधेड़ व्यक्ति घायल हो गया। बुधवार की दोपहर कस्तूरीपुर हरिकिशन गांव में रास्ते से गाड़ी हटाने को लेकर राम आसरे यादव को कार सवार बदमाशों द्वारा गोली मार दी गई। गोली लगने से अधेड़ व्यक्ति घायल हो गया। गोली लगने से अंधेड़ घायल होकर जमीन पर

गिरकर तड़पने लगा तो वही गोली की आवाज सुनकर गांव में अफरा तफरी मच गई। हमलावर कार से भाग निकले । जबकि ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक व्यक्ति को धर दबोचा। वहीं ग्रामीणों ने कार को भी तोड़फोड़ करते हुए पकड़े गए युवकों की पीटाई करने लगे। वहीं होली पर्व पर गोली मारने की खबर पर होलागढ़ पुलिस आनन–फानन मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सदर के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हालत गंभीर बताईं जा रही है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फिलहाल घटना के बाद गांव में खलबली मची हुई है।

होलागढ़ थाना क्षेत्र कस्तूरीपुर हरिकिशन गांव में कार सवार से गाड़ी हटाने को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद चार–पांच कार सवार बदमाश गांव पहुंचे जहां दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कार सवार बदमाशों द्वारा तमंचे से गोली मार दी गई। गोली लगने से गांव के ही राम आसरे यादव (50) पुत्र राम चरण यादव घायल हो गया। वहीं हमलावरों ने बीच–बचाव करने पहुंचे राम कैलाश की भी बेरहमी से पीटाई करते हुए भागने लगे।

उधर गोली की आवाज सुनकर जब गांव के लोग दौड़े तो हमलावरों द्वारा धमकी देते हुए भागने लगे। वहीं ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक हमलावर को पकड़ते हुए पीटाई कर दी। घटना की खबर पर होलागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार मिश्र मयफोर्स के साथ गांव पहुंचकर घायल को इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि पकड़े गए युवक को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। फिलहाल घटना के बाद पुलिस ने युवकों के साथ कार को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

होलागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना मामले में राम कैलाश यादव की तहरीर पर छरू नामजद एवं सात से आठ अज्ञात पर प्रार्थमिकी दर्ज की जा रही है और हिरासत में लेकर एक युवक से पूछताछ की जा रही है ।

जालसाजों ने 17 हजार रुपये ठगे, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। जालसाजों ने एक व्यक्ति से 17 हजार रुपये ठग लिए। पुलिस ने दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता के पूरे पांडेय निवासी हरिमोहन दुबे का कहना है कि कुछ लोगों ने उन्हें अपनी बातों में फंसा लिया। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे रिशु के मोबाइल से क्यूआर कोड के जरिये दस हजार और सात हजार रुपये नकद दे दिया। आरोप है कि ठगों ने उससे पीने का पानी मांगा। जब वह पानी लेने गए तो आरोपी फरार हो गए। पीड़ित ने मऊआइमा थाने में सद्दाम हुसैन, गुड्डू उर्फ अख्तर पता अज्ञात और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

वीरता की कहानी बयां करने वाला आल्हा-ऊदल महल झेल रहा उपेक्षा का दंश

प्रयागराज। जगनिक के आल्हा खंड और पृथ्वीराज रासो ऐतिहासिक पुस्तकों में वर्णित बुंदेलखंड के वीर योद्धाओं आल्हा–ऊदल को कुछ इतिहासकार भले ही काल्पनिक ग्रंथ मानते हों किन्तु बुंदेलखंड के अतिरिक्त प्रयागराज के बारा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत चिल्ला गौहानी में स्थित आल्हा महल उनकी वीरता का जीता–जागता उदाहरण है। बुंदेलखंड और बघेल खंड की सीमा पर स्थित ऐतिहासिक धरोहर पुरातत्व विभाग के उपेक्षा से पर्यटनीय एवं सामाजिक दृष्टि से पीछे होता जा रहा है। राजपूत कालीन आल्हा ऊदल बैठक या महल या कोट या किला कहा जाने वाला ऐतिहासिक धरोहर विभागीय उपेक्षा का न केवल दंश झेल रहा है बल्कि सिमटता जा रहा है।

उसके आसपास स्थित अन्य क्षेत्र भी अतिक्रमण के शिकार हो गए हैं। पर्यटन स्थल प्रयागराज जिले के मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण में बारा तहसील के अंतर्गत घूरपुर से प्रतापपुर रोड पर ग्राम चिल्ला गौहानी में स्थित आल्हा ऊदल की बैठक (गढ़ी)एक ऐतिहासिक और पौराणिक स्थल है। यह स्थल महोबा के दो प्रसिद्ध वीरों आल्हा और ऊदल की बैठक के लिए प्रसिद्ध है। आल्हा खंड के अनुसार आल्हा और ऊदल महोबा के राजा परमाल के सेनापति थे। वे अपनी वीरता और बहादुरी के लिए प्रसिद्ध थे। आल्हा और ऊदल ने कई युद्धों में भाग लिया था और अपनी वीरता का परिचय दिया था। चिल्ला गौहानी में स्थित आल्हा ऊदल की बैठक स्थल एक बड़े मैदान में स्थित है, जहां आल्हा और ऊदल अपनी बैठकें किया करते थे। यह स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षक स्थल है, जो आल्हा और ऊदल की वीरता और बहादुरी के बारे में जानने के लिए अवसर प्रदान करता हैं। यह स्थल महोबा के इतिहास और संस्कृति को भी दर्शाता है ।यह न केवल आल्हा और ऊदल की वीरता का प्रतीक है, बल्कि यह महोबा की समृद्ध संस्कृति और इतिहास का भी प्रतीक है। चिल्ला गौहानी निवासी इतिहासविद मथुरा प्रसाद पांडे ने बताया कि 1165 ई० से 1205 ई० तक चंदेल वंश के सम्राट परमार का शासन था। उनके पूर्वजों ने कालिंजर से लेकर प्रयागराज संगम तट तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया था। इसका प्रमाण यह है कि चंदेल वंश का महान सम्राट धंग जो नवमी से दसवीं शताब्दी में यहां का शासक था। इस सम्राट ने अंतिम समय में सत्ता अपने पुत्र गंड के हाथों सौंप कर गंगा यमुना सरस्वती के संगम में जल समाधि ले लिया इसका प्रमाण ग्वालियर अभिलेख में मिलता है। इसी राजवंश का शासक परमार था। इसके दो सामंत आल्हा और उदल थे। राज्य की सीमा सुरक्षा के लिए राजपूत काल के नरेश अपने साम्राज्य सुरक्षा के लिए सीमा चौकियां बनवाते थे। इसी परिप्रेक्ष्य में चिल्ला गौहानी में पत्थर के द्वारा निर्मित छोटी सी गढ़ी बनवाई गई थी। इस गढ़ी में सुरक्षा कर्मचारियों को लेकर दोनों वीर सामंत आल्हा ऊदल रहते थे । गढ़ी के चतुर्दिक लगभग 200 मीटर के आसपास खुदाई में प्राचीन काल की ईंटें मिलती है। इससे प्रमाणित होता है कि सैनिकों और घोड़ों के लिए आवास और घोषाल की व्यवस्था रही होगी। उन्होंने बताया कि चंदेल नरेश शैव थे इसका स्पष्ट प्रमाण है कि कंदरिया महादेव मंदिर जो खजुराहो में स्थित है, यह उन्हीं द्वारा बनवाया गया था जो विश्व प्रसिद्ध है। चिल्ला स्थित गढ़ी के 100 मी दक्षिण दिशा में एक अति प्राचीन अद्भुत स्वयंभू शिवलिंग है, जो राजपूत कालीन संस्कृति का स्पष्ट प्रमाण है। वर्तमान में इस शिवलिंग को महादेवन के नाम से जाना जाता है। जिसको 1998 में पूर्व कमिश्नर बाबा हरदेव सिंह के कर कमलो द्वारा जन सहयोग से मंदिर निर्माण कराया गया है। आल्हा ऊदल बैठक के

कमरे एवं साज सज्जा चिल्ला गौहानी स्थित पुरातात्विक स्थल आल्हा ऊदल बैठक जो लगभग 1 एकड़ में फैला है और बाउंड्री वॉल से घिरा हुआ है , इसका भवन लगभग 40/ 60 फीट एरिया में बड़े–बड़े पत्थरों द्वारा बना हुआ है। वर्तमान में इसमें सात कमरे और आंगन का एरिया बना हुआ है। कमरों की लंबाई चौड़ाई लगभग 8/8 है, वहीं पूर्व दिशा में बने कमरे की लंबाई चौड़ाई अन्य की तुलना में अधिक हैस ऐसा माना जाता है कि इतने छोटे–छोटे कमरे को सस्त्रगार के रूप में प्रयोग में लाए जाते रहे होंगे। कम हो रहा आल्हा ऊदल बैठक का पर्यटन स्थलीय महत्व वर्तमान समय में यह स्थल अपने पहचान को लेकर जूझ रहा है। पुरातत्व विभाग द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी पर्यटन एवं सामाजिक दृष्टि से महत्व में पीछे रह गया है। पर्यटक दृष्टि से देखा जाए तो विभाग ने इस पर करोड़ों रुपए खर्च किए वहीं इस भवन एवं परिसर की सुरक्षा हेतु केयर टेकर भी लगा रखा है जिसको साल में लाखों रुपए सैलरी के रूप में दे दिया जाता है। साफ सफाई रखरखाव के लिए अत्यधिक मात्रा में पैसे खर्च किए जाते हैं, लेकिन गेट पर हमेशा ताला बंद रहता है। यदि कोई बाहर से जिज्ञासा लेकर इस पुरातात्विक स्थल पर घूमने आए तो उसे यह बताने वाला कोई नहीं है कि इसका क्या महत्व है। आल्हा ऊदल संबंधित इस विरासत के विषय में उसे कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। इस बैठक के पश्चिम साइड में बनी बाउंड्री वॉल दो जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। लगे पत्थर सरक कर नीचे गिर गए हैं। लोगों ने बताया कि कभी–कभार केयर टेकर यहां आता है और साफ सफाई कर चला जाता है। पिछले दो महीना से यहां कोई दिखाई नहीं दिया, वहीं भवन के गेट का ताला भी टूटा हुआ मिला वहां खेल रहे बच्चों ने बताया कि यह गत होली के दिन से ही टूटा हुआ है। राजपूत कालीन तालाब से जुड़ी कहानियां बताया जाता है कि इस बैठक से लगभग 400 मी उत्तर दिशा में एक बड़ा तालाब स्थित है जो की राजपूत कालीन समय का माना जाता है। चिल्ला निवासी पिच्चासी वर्षीय शारदा प्रसाद मिश्र बताते हैं कि बचपन में हमने देखा था कि आल्हा ऊदल बैठक के पश्चिम दिशा में एक कुआं था जो 35 से 40 फीट गहरा था ,लेकिन आज के समय में यह पूरी तरह मिट्टी से पट चुका है। पुरातत्व विभाग को ऐसे बने धरोहरों को संरक्षण प्रदान किए रहना चाहिए था। ताकि आल्हा ऊदल युगीन संस्कृति के विषय में लोग जान सके। तालाब तक बनी थी सुरंग चिल्ला निवासी श्याम सिंह बताते हैं कि 1904 में आल्हा ऊदल बैठक से 400 मी उत्तर स्थित तालाब की खुदाई हुई थी जिसमें 14 सीढ़ियां मिली थी बाद के समय में अत्यधिक बरसात के कारण मिट्टी से पटाव के कारण यह मुद गई।आज के समय में यहां पर तालाब में पानी भरा हुआ है। विभाग को इन कहानियों के पीछे छुपी सच्चाई को जानने के लिए खुदाई कर कर इन धरोहरों को संरक्षित करना चाहिए। चिल्ला निवासी 82 वर्षीय हरि भूषण सिंह बताते हैं कि 50 वर्ष पहले हम लोग आल्हा ऊदल बैठक में घूमने जाते थे। एक बार पश्चिम दिशा में बने एक कमरे के फर्श के सुराग में जूट की 40 फीट लस्सी के अगले हिस्से में छोटा पत्थर बांध डाला गया तो सीधे अंदर चला गया। इससे पता चलता है कि इसके नीचे भी एक तह है और कई कमरे बने हुए हैं। बाउंड्री वॉल बनाते समय मिली थी भगवान की मूर्तियां चिल्ला के ही रहने वाले आदिवासी बस्ती के मनोज कुमार , प्रयाग कुमार एवं महेश कुमार बताते हैं कि 4 साल पहले इस गढ़ी के चारों तरफ गुड़, चूना, बेल,सीमेंट मौरंग आदि मिलाकर मसाला तैयार कर 18 इंच की पत्थर बाउंड्री वॉल बनाई गई थी। जिसमें हम लोग भी मजदूरी कार्य कर रहे थे।जब नीव की खुदाई जेसीबी से कराई जा रही थी तो छोटी–छोटी सुंदर और आकर्षक मूर्तियां मिल रही थी ,जो शिव पार्वती, गणेश, बजरंगबली आदि की थी जिन्हें साहब लोग गाड़ी में भरकर उठा ले गए। कुछ मूर्तियां जो टूट गई थी उनके टुकड़ों को लाकर महादेवन मंदिर परिसर में रख दिया गया है। हालांकि यह राजपूत कालीन सांस्कृतिक धरोहर अपने पहचान को लेकर जूझ रही है सामाजिक एवं पर्यटन स्थल की दृष्टि से महत्व में विफल रही है। हालांकि प्रयागराज जनपद के इस पौराणिक स्थल को विशेष रूप से विभाग को ध्यान देकर पर्यटन स्थल में तब्दील करना चाहिए। ताकि दूर–दूर से लोग आकर आल्हा ऊदल के गौरवपूर्ण संस्कृति को जान सके। इतिहासकार कनिंघम भी इस स्थल तक आ चुका है। पूर्व सांसद के प्रयास से हुआ है सुंदरीकरण इलाहाबाद के पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह के प्रयास से आल्हा महल का जीर्णोद्धार किया गया है किन्तु समय की गति के साथ पुनः नष्ट हो रहा है। इसके रख रखाव की कमी के कारण बनाई गई बाउंड्री वाल टूटती जा रही है। शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। आवश्यकता है ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण की। बोले जिम्मेदार आल्हा–ऊदल बैठक मेरे ग्राम पंचायत चिल्ला गौहानी की धरोहर है। इसके साफ सफाई की जिम्मेदारी पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की है।

संगमनगरी में जमकर बरसा रंग, नाकाबंदी होली में झूमा पूरा शहर

प्रयागराज। संगमनगरी में रंगों का पर्व होली बुधवार को उल्लास और धूमधाम से मनाई जा रही है। पूरे शहर में जमकर

रंग रहा है और हर गली–चौराहे पर अबीर–गुलाल भी उड़ रहा है। शहर में लोकनाथ की कपड़ा फाड़ सतरंगी होली का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगा।

संगमनगरी में रंगों का पर्व होली बुधवार को उल्लास और धूमधाम से मनाई जा रही है। पूरे शहर में जमकर रंग रहा है और हर गली–चौराहे पर अबीर–गुलाल भी उड़ रहा है। शहर में लोकनाथ की कपड़ा फाड़ सतरंगी होली का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगा। तीसरे दिन शुक्रवार को ठठेरी बाजार में धुआंधार रंग बरसेगा। शहर के मोहल्लों में युवाओं ने नाकाबंदी और रंग बरसे के बोल पर 'रेन डांस' के साथ कृत्रिम फव्वारे लगाए गए हैं।

चौक–लोकनाथ, जानसेनगंज, बहादुरगंज, मीरापुर, शास्त्री नगर, लीडर रोड, मालवीय नगर, मुट्ठीगंज, कीडगंज, बाई का बाग, दारागंज, अल्लापुर और अलोपीबाग सहित अन्य सभी प्रमुख मोहल्लों होली खेली जा रही है। युवा होली के गीतों पर जमकर थिरक रहे हैं। एक ओर जहां रंगों की बारिश में लोग सराबोर है, वहीं शहर के कई इलाकों में गोबर और कीचड़ की होली भी खेली जा रही है।

ढोलक, झांझ और मजीरा पर फागुनी फुहार वाले गीतों के साथ चौक–लोकनाथ की होली सबसे निराली हो रही है। बहादुरगंज से जानसेनगंज तक पानी एकत्र कर होलियारों पर रंग बरस रहा है। लोकनाथ चौराहे पर टेसू के फूल, अबीर–गुलाल, गुलाब की पंखुड़ियों एवं अन्य फूलों से होली खेली जा रही है। बड़े–बड़े ड्रम में रंग घोले जाएंगे। लोकनाथ मिलन संघ की ओर से नए तरह के फव्वारों के साथ चौक चौराहे पर होली हो रही है।

पं. नेहरू, महामना मालवीय, छुन्नन गुरु, जनेश्वर आते थे लोकनाथ

वरिष्ठ नागरिक नरेश सहगल कहते हैं कि लोकनाथ की होली अनोखी होती थी और होती रहेगी। हमने वह दौर देखा है जब छुन्नन गुरु के छोटे भाई के साथ पुरुषोत्तम दास टंडन के घर जाया करता था। पहले लोकनाथ में रहता था, अब मीरापुर निवास है लेकिन 85 की उम्र में लोकनाथ की होली देखने का मोह नहीं छोड़ पाया हूं। हमारे पुरनिये और मित्र कुन्नन के भाई छुन्नन गुरु बताते थे कि यहां कभी पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, महामना मालवीय सरीखी हस्तियां जुटती थीं। हमने छुन्नन गुरु, सालिगराम जायसवाल, जनेश्वर मिश्रा और सतीश चंद्र जायसवाल को लोकनाथ की होली में शामिल होते देखा है।

ऑटो पलटने से एक व्यक्ति की हुई मौके पर मौत, कई घायल

प्रयागराज। झूंसी इलाके के अंदावा तिराहे के पास एक तेज रफ्तार आटो कई राउंड पलटते हुए दीवार से जा टकराई। हादसे में एक सवारी की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। बुधवार की सुबह नौ बजे की यह घटना है।

झूंसी इलाके के अंदावा तिराहे के पास एक तेज रफ्तार आटो कई राउंड पलटते हुए दीवार से जा टकराई। हादसे में एक सवारी की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। बुधवार की सुबह नौ बजे की यह घटना है। बुरी तरीके से ऑटो क्षतिग्रस्त हुई है कई बार पलटने बाद जाकर दीवार से टकराई। ऑटो चालक वा उसमें बैठी सवारियां घायल हुई हैं और उसमें एक यात्री की मौत हो गई। उसकी पहचान महेश पुत्र लालाराम भारतीय (40) निवासी खोजापुर फूलपुर के रूप में की गई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उसे जब तक अस्पताल ले जाया जाता उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और घायलों को हॉस्पिटल इलाज के लिए भेजा गया है। परिजनों को सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। परिजन भी वहां मौके घटनास्थल पर पहुंचे हैं। महेश भारतिया के दो बच्चे हैं।एक लड़का, एक लड़की बच्चों की शादी नहीं हुई है और उनके ऊपर घर की बड़ी जिम्मेदारी थी। प्रयागराज में रहकर ई रिक्शा चलाकर परिवार का गुजारा करते थे और वह ऑटो से अपने घर खोजापुर की तरफ जा रहे थे। इस हादसे से तमाम रिश्तेदार व जानने पहचानने वाले लोग मौके पर मौजूद हैं।

शादी में शामिल होने आई महिला का पर्स चोरी, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। इलाके के राजापुर परशुराम गांव में बीते 19 फरवरी को शादी में शामिल होने आई महिला का पर्स चोरी होने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। महिला के पर्स में रखा नकदी एवं मोबाइल गायब हो गया। फाफामऊ थाना अंतर्गत मोहनगंज फुलवरिया गोहरी गांव की रहने वाली शिल्पा मौर्य बीते 19 फरवरी को सोरांव के राजापुर परशुराम गांव में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आई थीं। शादी कार्यक्रम के दौरान चोरों ने शिल्पा का पर्स चोरी कर लिया। पर्स में रखा पांच हजार रुपये नकदी एवं मोबाइल गायब हो गया। तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बकरी शेड का अता पता नहीं, मुख्य विकास अधिकारी से शिकायत

प्रयागराज। सैदाबाद ब्लॉक के कहरा गांव में शासन से बकरी शेड बनाने के लिए एक लाख की धनराशि गांव के उषा देवी के नाम से वर्ष 2021–22 में मंजूर हुआ था। आज तक बकरी शेड का पता नहीं है। बताते हैं कि पैसा भी निकल चुका है। सिर्फ कागज पर बकरी शेड चल रहा था। मुख्य विकास अधिकारी से मामले की शिकायत की गई है।

आरोप है कि बकरी शेड के लिए शासन से आए पैसे में प्रधान, सचिव और लाभार्थी ने मिलकर पैसे का बंदरबाट कर लिया। कहरा गांव के सुजीत कुमार ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज से किया तो उषा देवी ने 2 वर्ष बाद पुराने जर्जर भवन को बकरी शेड के रूप में परिवर्तन कर उसे बकरी शेड का रूप देने का प्रयास करने लगी। इस संबंध में एडियो पंचायत सैदाबाद अखिलेश तिवारी ने बताया कि जिले के अधिकारी डीसी मनरेगा जांच की हैं। इस स्थिति में ब्लॉक के कर्मचारियों का कोई औचित्य नहीं होता है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन पर परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

प्रयागराज। बीते एक मार्च को करंट के चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। सोमवार शाम को पोस्टमार्टम से बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। बाद में आरोपियों की गिरफ्तारी, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, दो बीघा कृषि भूमि, इकलौती बेटी की शादी के लिए आर्थिक मदद और एक बच्चे को सरकारी नौकरी दिए जाने का आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। तीन दिन पूर्व नवाबगंज थाना क्षेत्र के डेरवा गांव निवासी उमा (45) पत्नी त्रिभुवन खेत में झटका मशीन की करंट की चपेट में आ गई थी। इससे उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बेटे सूरज कुमार की तहरीर पर पुलिस ने हरि तिवारी व पप्पू सेन के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। हंगामे की सूचना पर एसओ नवाबगंज राघवेंद्र सिंह भारी मौके पर पहुंचे और समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन मनाने को तैयार नहीं थे। बाद में नायब तहसीलदार धीरज पटेल ने पहुंचकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिया तो परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। दोपहर में पुलिस की मौजूदगी में शृंगवेरपुर घाट स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

संक्षिप्त

रेलवे लाइन पार कर रहा व्यक्ति ट्रेन से कटा

लखनऊ, संवाददाता। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में गुरुवार को ट्रेन की चपेट में आने से 70 साल के बुजुर्ग कैलाश नाथ की मौत हो गई। यह हादसा इंदौरा बाग मोड़ के पास हुआ, जब वह रेलवे ट्रैक के करीब मौजूद थे। सीतापुर से लखनऊ की ओर आ रही एक ट्रेन की टक्कर लगने से कैलाश नाथ काफी दूर जा गिरे। उन्हें गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर बख्शी का तालाब थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

होली के दिन युवक को गोली मारने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। पीजीआई इलाके में होली के दिन गोली चलाने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देशी तमंचा और खोखा बरामद किया है। उसे गुरुवार को जेल भेज दिया गया। सुमन वर्मा, निवासी राजीव नगर, घोसीयाना खरिका तेलीबाग ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा अंकित वर्मा (उम्र 29 वर्ष) अपने साथियों जितेंद्र यादव और नरेंद्र त्रिपाठी के साथ होली खेलकर लौट रहा था। इसी दौरान राजीव नगर निवासी शोभित यादव ने अंकित को गाली देना शुरू कर दिया। मना करने पर शोभित ने अपने हाथ में लिए तमंचे से जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। गोली अंकित के पेट को छूते हुए निकल गई, जिससे वह मौके पर ही घायल हो गया। उसे तुरंत ट्रामा–02 सेंटर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी। घायल अंकित की मां सुनीता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस पूछताछ में आरोपी शोभित यादव ने बताया कि करीब एक साल पहले उसके चाचा जितेंद्र यादव के बरक्षाध् तिलक समारोह में अंकित वर्मा से उसकी कहासुनी हुई थी। शोभित के अनुसार, बुधवार को जब वह अपने घर आ रहा था, तो अंकित वर्मा ने उसे रास्ते में रोककर गाली–गलौज की। इस पर उसने अपने लोवर में रखा तमंचा निकालकर अंकित पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, जिससे उसके पेट में गोली लग गई और खून बहने लगा।गोली लगने के बाद आसपास के लोग अंकित वर्मा को एसजीपीजीआई ट्रॅामा सेंटर ले गए। शोभित ने बताया कि मौका पाकर उसने तमंचे को अपने घर के पीछे झाड़ी में फेंक दिया था। पुलिस ने बुधवार देर शाम शोभित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया था।

बहन से होली मिलकर लौट रहे युवक की मौत, हेलमेट न होने से सिर फटा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत हो गई। होली के त्यौहार में बहन की ससुराल से लौट रहा था। तभी स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बालू अड्डा हजरतगंज निवासी रवि सिंह (23) पुत्र राम आसरे प्राइवेट जॉब करता था। रवि बुधवार को होली के त्योहार पर अपनी बहन गुंजा से मिलने विकास नगर गया था। वहां से शाम करीब 4 बजे लौटते समय कुर्सी रोड पैलेस के पास स्कूटी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। रवि का सिर डिवाइडर से टकरा गया। उसके सिर से खून बहने लगा। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की जांच में आया है कि रवि ने हेलमेट नहीं पहना था। अगर वह हेलमेट लगाया होता तो शायद जान बच सकती थी। सिर में गंभीर चोट लगने से जान चली गई।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम रोड पर बुधवार देर शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह घटना टाइटेनियम ग्लास फैक्ट्री के पास हुई। स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल (यूपी 32 एचजेड 7741) को स्कॉर्पियो (यूपी 32 क्यूडब्ल्यू 0810) ने टक्कर मारी। हादसे में निगोहां थाना क्षेत्र के कासिमपुर निवासी सुनील पुत्र राम नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सुनील को तत्काल एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम भेजा गया। वहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के ट्रॅामा सेंटर रेफर किया गया। स्थिति नाजुक बनी रहने पर डॉक्टरों ने उन्हें किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) भेज दिया। बताया जा रहा है कि केजीएमयू ले जाते समय रास्ते में ही सुनील ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पर खड़ा करवा दिया है। निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

युवक को घेर कर बांका मारा, हालत गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मामूली कहासुनी में एक युवक पर बांके से ताबड़तोड़ वार किए गए। इससे उसके गर्दन पर गहरी चोटें लगी हैं। आसपास मौजूद लोगों ने युवक को बचाया। मौके से आरोपी फरार हो गया। घायल युवक के परिजनों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना बुधवार शाम करीब 5 बजे जानकीपुरम थाना क्षेत्र के गुड़ियनपुरवा में हुई। घायल युवक सोनू शाम के वक्त अपने घर के पास मौजूद था। उसी समय पड़ोसी युवक से कुछ कहासुनी हुई। इसी में बात बढ़ने पर पड़ोसी युवक ने बांके से सोनू पर हमला कर दिया। वह लगातार बांके से वार करता रहा, जिसमें सोनू पूरी तरह लहूलुहान हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को छुड़ाया। मौके से आरोपी युवक फरार हो गया। सोनू के परिजनों ने घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। सोनू खाना बनाने का काम करता है। सोनू के पिता ने बताया कि शाम करीब पांच बजे सोनू अपने घर के पास होलिका के पास खड़ा था। इसी दौरान, पास के रहने वाले चार–पांच लोगों ने उसे अपने घर में ले जाकर बांके से हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल की बहन रिया ने बताया की पहले लड़ाई हुई थी।

भयहरण नाथ धाम में 8 मार्च को होली उत्सव में होंगे विविध कार्यक्रम

कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे निर्झर जी, राष्ट्रीय लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा के होंगे होली गीत, मुख्य मन्दिर सहित सभी मंदिरों में होगीफूलों की होली

प्रतापगढ। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षों की भाँति 8 मार्च दिन रविवार को परम्परा गत होली उत्सव का भव्य आयोजन प्रबन्ध समिति द्वारा होगा। जहाँ होली उत्सव में आयोजित राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध हास्य कवि व पुरातत्वविद राजेश पांडेय निर्झर प्रतापगढ़ी करेंगे वहीं राष्ट्रीय लोक गायिका प्रतिमा मिश्रा फगुवा सहित विविध होली गीत प्रस्तुत करेंगी। होली उत्सव की शुरुवात धाम स्थित मुख्य मंदिर सहित सभी मंदिरों में स्थित देवी देवताओ के साथ प्रतीक रूप में फूलों की होली होगी।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि महिला दिवस पर होली उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में लोकप्रिय विधायक जीत लाल पटेल, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राय साहब सिंह प्रतिनिधि राज्य सभा सांसद (अमर पाल मौर्य जी), नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, बेलखरनाथ धाम ब्लाक के पूर्व प्रमुख कृष्ण कांत मिश्र प्रतिभाग करेंगे।

इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों में प्रमुख रूप से बलिया से प्रदेश शासन द्वारा साहित्य भूषण व हरिबंश राय बच्चन सम्मान से बिभूषित जन कवि प्रकाश जी, फतेहपुर से हिंदू मुस्लिम एकता की मिशाल रजिया सुल्तान, रायबरेली से डॉ पीयूष मिश्र पीयूष, यमुनापार प्रयागराज से वेदानंद वेद, गंगापार से हास्य कवि प्रशांत भरुहिया तथा राष्ट्रीय कवि शिवम भगवती सहित प्रतापगढ से गीतकार डॉ अशोक अग्रहरि, हरिबंश शुक्ल शौर्य, आशा लता यादव, आलोक बैरागी व प्रभात शिक्षार्थी, अमर नाथ बेजोड़, राज कुमार विश्वकर्मा व सौरभ सोमबंशी आदि अपनी रचनाओं से सभी को आनंदित करेंगे।

वहीं स्थानीय लोकगायक अजब नारायण पांडेय सहित क्षेत्रीय कलाकार सामूहिक फगुआ गायन प्रस्तुत करेंगे। सुव्यवस्था की जिम्मेदारी अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह व कार्यालय प्रभारी संजीव मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने ली है।

सैफई से ही शुरू होगा सरकार बनाने का रास्ता, होली पर अखिलेश ने दिया 2027 का संदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सैफई में आयोजित होली महोत्सव के मंच से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का रास्ता एक बार फिर सैफई से ही शुरू होगा और वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उनके इस बयान को आगामी चुनावों की राजनीतिक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की धरती हमेशा से समाजवादी आंदोलन की दिशा तय करती रही है और यहीं से परिवर्तन की नई लहर उठेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें और जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष तेज करें। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है।

अनुशासन के बिना कोई भी संगठन अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। उनके इस बयान को संगठन के भीतर कार्यकर्ताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने अंतरराष्ट्रीय हालात का जिक्र करते हुए पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा युद्ध के खिलाफ रही है और देश को महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलना चाहिए। सपा अध्यक्ष ने केंद्र सरकार की विदेश नीति और व्यापारिक समझौतों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौतों के कारण किसानों, विशेष रूप से आलू किसानों को नुकसान हो सकता है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जापान यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े–बड़े एमओयू किए जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की जनता को उसका वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए संगठन को पूरी ताकत से काम करना होगा। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की ताकत के सहारे सपा पहले से भी बड़ी जीत हासिल करने की तैयारी कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि सैफई की अगली होली और भी भव्य होगी। होली महोत्सव के मंच से दिया गया उनका यह राजनीतिक संदेश अब प्रदेश की सियासत में नई चर्चा का विषय बन गया है।

धूप ने तेवर दिखाने शुरू किये

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में अब गुलाबी सर्दी विदा ले रही है और सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) की मानें तो प्रदेश में अब गर्मी का दौर शुरू हो चुका है और आने वाले एक हफ्ते में तापमान में भारी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। फिलहाल, बारिश की कोई उम्मीद नहीं है, जिससे सूखी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार से ही धूप ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। आगरा, मथुरा, कानपुर और बुंदेलखंड के जिलों (बांदा, हमीरपुर, महोबा) में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। बरेली, मैनपुरी, गोरखपुर, देवरिया, गोंडा, बहराइच और बलिया समेत पूर्वांचल के जिलों में भी दोपहर के वक्त तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। लखनऊ में गुरुवार को मौसम साफ रहने का अनुमान है। यहां अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हालांकि, सुबह और शाम के समय अभी भी हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिसे श्गुलाबी सर्दीश कहा जा रहा है, लेकिन दोपहर में स्थिति इसके उलट है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पतझड़ की शुरुआत और तेज हवाओं के चलते वातावरण में नमी कम हो गई है। यदि यही स्थिति रही, तो मार्च के दूसरे सप्ताह तक यूपी के कई हिस्सों में तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

पूर्व एमएलसी का भतीजा बाल सुधार-गृह गया, दोस्त के माथे पर लगी गोली, वो मर गया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 13 साल के छात्र की गोली लगने से मौत मामले में पूर्व बसपा एमएलए के भतीजे को बुधवार को बाल सुधार गृह भेज दिया गया। आरोपी किशोर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह अपने पिता की रिवाल्वर चेक कर रहा था। इस दौरान गलती से गोली चल गई, जिससे दोस्त उनैज की मौत हो गई। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया किशोर ने गलती से गोली चलने की बात कबूल ली है। सीसीटीवी में घटना से पहले किशोर अकेले ही गाड़ी से रिवाल्वर लेकर जाते दिख रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। उसके बाद ही कुछ और कहा जा सकता है। सरोजनीनगर के बेहसा गांव में रहने वाले जमीर खान इलेक्ट्रॉनिक की दुकान चलाते हैं। उनका बेटा उनैज स्टेलामेरी

स्कूल में 7वीं कक्षा में पढ़ता था। जमीर ने बताया था कृष्णानगर में बालाजी कॉम्प्लेक्स में रहने वाले बिजनेसमैन संजीव त्रिपाठी के यहां सोमवार को बर्थडे पार्टी थी। संजीव का बेटा अपने दोस्त के साथ मेरे घर पहुंचा। बेटे को साथ ले जाने लगा तो मैंने मना कर दिया। लेकिन, लड़के जबरदस्ती उनैज को लेकर चले गए। बेटा भी दोस्ती के नाते चला गया। सोमवार शाम 7.30 बजे आरोपी के पिता संजीव त्रिपाठी ने मुझे वॉट्सऐप पर फोन किया। मेरे बड़े बेटे उसैद ने फोन उठाया था। संजीव ने फोन पर कहा था तुम्हारा भाई लोकबंधु में है, तुरंत अस्पताल आ जाओ। इसके बाद हम सभी लोग लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। लेकिन, वहां हमें बच्चे से नहीं मिलने दिया गया। कुछ देर बाद पुलिस ने मृत अवस्था में बेटे को दिखाया था। जमीर खान ने आरोप लगाया था हत्या को छिपाने की कोशिश की जा रही है। इन लोगों ने रोजे वाले दिन बेटे को मार दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद मंगलवार को शव घर पहुंचा था। जमीर से मिलने वालों का तांता लग गया। सभी लोग उसे ढांढस बंधाने में लगे थे। इस दौरान कई बार लोगों का पुलिस के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला था। लोगों ने पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा और इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने पिता जमीर से बात कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था।

पावन प्रेम प्रसंग

(छप्पय)

मन के अंदर मैल   न रखना मेरे भाई।
कहते हैं त्योहार रूप रख कृष्ण–कन्हाई।
थोड़ी सी मुस्कान बात कर जीतो जग को।
चलो अकेले किंतु साथ लेकर के सबको।
पतझड़ सच्चे प्रेम की   पावन एक किताब है।
जिसके हर अध्याय में हर्ष– कला संदर्भ है।।

हर्ष उमंग सत्संग इबादत कहना इसको।
त्योहारों का रंग बताते हैं यह सबको।
रौनकता के साथ दिलों में खुशियाँ भरके।
रहते हरदम पास प्रेम की वाणी बनके।
जिसके हर इक रंग में मस्ती मौज तरंग है।
भावों के संसार का पावन प्रेम प्रसंग है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी होली के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई मार्च माह की काव्य गोष्ठी होली के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न। कार्यक्रम अध्यक्ष उमा मिश्रा 'प्रीति' की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी

की मुख्य अतिथि डॉ साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि रेखा शर्मा काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना प्रभा तिवारी के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रेरणा सेंद्रे ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी डॉ अंजुल कंसल ,नीति अग्निहोत्री,शोभारानी तिवारी, डॉ शशि निगम, सुनीता संतोषी, संतोष तोषनीवाल, श्रुति चौधरी, ऊषा यादव, हेमा जैन, डॉ शशिकला अवस्थी, सुषमा शुक्ला आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये। आशा जाकड़ ने धन्यवाद ज्ञापन ने किया।

माल थाने में पुलिसकर्मियों ने खेली होली

लखनऊ, संवाददाता। होली के मुख्य दिन ड्यूटी पर तैनात रहने वाले पुलिसकर्मियों ने गुरुवार को माल थाने परिसर में उत्साह से पर्व मनाया। इंस्पेक्टर नवाब अहमद के नेतृत्व में माल थाने के पुलिसकर्मियों ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाया, मिठाई बांटी और होली की शुभकामनाएं दीं। होली के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने के कारण त्योहार का पूरा आनंद न ले पाने वाले पुलिसकर्मी अगले दिन मिलकर खुशियां मनाते हैं। थाना प्रभारी नवाब अहमद ने बताया, ड्यूटी के दबाव में हम त्योहार नहीं मना पाते, इसलिए विभागीय परंपरा के तहत दूसरे दिन सब साथ मिलकर भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षी, आरक्षी समेत सभी पुलिसकर्मी शामिल हुए।

ईरान के स्कूल पर इजराइली-अमेरिकी हमले की अखिलेश ने बताया निंदनीय

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पर इजराइली–अमेरिकी हमले की निंदा की। इस हमले में खामेनेई की मौत हो गई थी। यादव ने ईरान के मीनाब शहर के एक स्कूल पर सबसे घातक इजराइली–अमेरिकी हमलों की भी कड़ी निंदा की, जिसमें 165 छात्राओं की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सपा दोनों घटनाओं की कड़ी निंदा करती है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। यादव ने कहा, श्शजिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून, जो संघर्ष के समय में भी मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, ऐसे कृत्यों से गंभीर रूप से खतरे में हैं। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं और शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 26/06 — दिनांक: 03.03.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38252871	राउन्ड प्लेट बॉण्डेड विथ स्टॉपर स्प्रिंग	10338 नग	26.03.2026
2	6326RGC05	दिस इंज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ इलास्टिक रेल क्लिप एमके-5 ड्राइंग नं0. आरडीएसओ टी-5919.	14548762.00 Numbers.	11.05.2026
3	6326RGC04	दिस इंज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रैक्ट फॉर मैनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ कम्पोजिट ग्रूव्ड रबर सोल प्लेट्स (ड्राइंग नं0. टी-8747 एंड टी-6618) ऐज पर आईआरएस स्पेसिफिकेशन नं0. टी-55-2023 फॉर रेल पैड फॉर प्लेसिंग बेनिथ रेल	7484474.00 Numbers.	06.04.2026
4	70254194	पिलो कवर साइज़ 50X36 सेंटीमीटर	157288 नग	25.03.2026

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 493/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

वैश्विक व्यवस्था पर बड़ा खतरा

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की शनिवार को हत्या के बाद अब वैश्विक व्यवस्था बदलने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने मिलकर शनिवार सुबह–सुबह हमला किया और इसे अपने बचाव के लिए किया गया हमला बताया। हालांकि यह खोखले बहाने से ज्यादा कुछ नहीं है। असल बात यह है कि इजरायल और अमेरिका लंबे अरसे से ईरान पर हमले की योजना बना रहे थे। पिछले साल जून में किए हमले का तगड़ा जवाब ईरान ने दिया था। तब भी खामनेई को मारने की कोशिश की गई थी, हालांकि इसमें उसे सफलता नहीं मिली थी। जून के बाद ईरान को आर्थिक नुकसान हुआ था। इसके बाद इस साल की शुरुआत में ईरान में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिसकी वजह से आंतरिक तौर पर भी कमजोरी आई। अब इजरायल और अमेरिका ने इसी बात का फायदा उठाया। बहाना हमेशा की तरह आतंकवाद और परमाणु बम बनाने का खतरा रहा है। हालांकि अमेरिका अब तक यह साबित नहीं कर पाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए हैं। क्योंकि परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को ईरान ने हमेशा नागरिक हितों के उद्देश्य के लिए बताया है। लेकिन यह अमेरिका की मर्जी है कि वह किसी देश की बात सुने या न सुने। तो उसने ईरान की नहीं सुनी और उसके सुप्रीम लीडर की हत्या कर दी। ठीक वैसे ही जैसे इससे पहले अरब के कई देशों में लोकतंत्र लाने के नाम पर पहले गृहयुद्ध छिड़वाए, फिर वहां तख्तापलट किए। लीबिया में कर्नल गद्दाफी, मिस्र में होस्नी मुबारक, सीरिया में बशर अल असद ऐसे कई शासनाध्यक्ष अच्छे थे या बुरे थे, ये तय करने का हक वहां की जनता को था। लेकिन अमेरिका ने इसमें लगातार दखल दिया और अब उन देशों का क्या हाल है, ये पूरी दुनिया देख रही है। इनसे पहले इराक में भी विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर अमेरिका ने हमला किया था और सद्दाम हुसैन को फांसी तक दे दी। हालांकि वो हथियार कभी नहीं मिले और अब इराक भी तबाह है। ईरान को भी अमेरिका उसी राह पर धकेल रहा है। इससे पहले ताजा उदाहरण वेनेजुएला का है। जहां डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा ही करवा लिया और इसके लिए उन्हीं के सुरक्षाकर्मियों को रिश्वत भी दी। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमेरिका में मुकदमा चल रहा है। लेकिन इसका नतीजा क्या होगा, ये कोई नहीं बता सकता। तो दुनिया को एकध्रुवीय बनाने के लिए अमेरिका कितनी चालें चलता रहा है, यह खुली किताब में दर्ज है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से अमेरिका में एक हनक और सनक तारी है कि वर्ल्ड ऑर्डर, यानी दुनिया में क्या, किस तरह से होने चाहिए यह अमेरिका ही तय करेगा और वही होने देगा, जिसमें उसका फायदा रहे। अगर उसे ऐसा लगेगा कि कोई देश उसके कहे मुताबिक नहीं चल रहा है, तो वह सीधे आक्रमण करेगा या फिर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री किसी की भी हत्या करवा देगा। इजरायल भी यही करता रहा है और यह कहने में गुरेज नहीं कि इजरायल अमेरिका के लिए एनेक्सी यानी अतिरिक्त सहायक इमारत (देश) ही है। तीसरी दुनिया के कई देश अमेरिका की इस नीति के भुक्तभोगी रहे हैं। इसलिए नेहरूजी ने जब गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो कई देशों ने इसका स्वागत और समर्थन किया। इस वजह से दुनिया में एक संतुलन वाली व्यवस्था बनी रही। बेशक रूस और चीन भी अपनी ताकत उन कमजोर देशों पर आजमाते रहे, जिनसे उन्हें तकलीफ थी, लेकिन अमेरिका जैसी बेशर्मी इन देशों ने भी नहीं दिखाई। मगर अब न नेहरूजी भारत का नेतृत्व कर रहे हैं, न उनके विचारों पर देश और दुनिया चल रहे हैं और न अमेरिका में लोकतंत्र का थोड़ा बहुत लिहाज रखकर चलने वाला नेता है। वहां खांटी व्यापारी डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में है, जिनके लिए हर चीज एक सौदा ही है। अफसोस इस बात का है कि भारतीय नेतृत्व भी इस समय व्यापारी मानसिकता से ही संचालित हो रहा है। जिसमें नैतिकता, मानवता, पारंपरिक नीतियां, पुरानी दोस्ती हर बात को ताक पर रखकर अमेरिका की जी हुजूरी करने को मास्टर स्ट्रोक मान लिया गया है। वर्ना क्या कारण है कि ईरान पर हमले और खामनेई की हत्या के 12–14 घंटे बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफसोस का एक वाक्य जाहिर नहीं किया। क्या ईरान से बरसों पुरानी दोस्ती को भारत सरकार ने इतनी आसानी से खत्म कर दिया है या इजरायल और अमेरिका ने अपने ख्याली आरोपों की आड़ में जिन मासूमों को मारा, उसमें प्रधानमंत्री मोदी को कोई आपत्ति नहीं है। मोदी इस समय किस तरफ हैं, यह देश को खुलकर बताना चाहिए। ध्यान दीजिए कि ईरान पर यह हमला तब हुआ जब दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी इजरायल के दौरे पर थे और वहां की संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने हमेशा इजरायल का साथ देने का ऐलान किया था।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

डॉ. दीपक पाचपोर

ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की ध्मकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है।

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रैसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफैंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफैंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरुआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर–डिफैंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है।

अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट–कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोर्टर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल–मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, ''जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा।'' ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक–मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफैंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं।

ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.–3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफैंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड–मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था। अमरीका का सबसे बड़ा वॉरशिप फोर्ड पिछले जून से समुद्र में है और अब 11 महीने की तैनाती के लिए तैयार है, जो किसी अमरीकी वॉरशिप के सबसे लंबे लगातार मिशन का रिकॉर्ड तोड़ देगा। नाविकों पर बहुत ज्यादा काम का बोझ है और कुछ तो घर लौटने के बाद नेवी छोडने पर भी विचार कर रहे हैं। पहले भी बहुत ज्यादा काम करने वाले क्रू की वजह से गलतियां और हादसे हुए हैं। अप्रैल और मई 2025 में, 8 महीने की तैनाती के आखिर में, एयरक्राफ्ट कैरियर यू.एस.एस. हैरी एस. ट्रूमैन ने रैड सी में हूती विद्रोहियों के हमलों का मुकाबला करते हुए कई जैट फाइटर खो दिए थे।

अमेरिका का विश्व में आतंक, फायदा केवल पाकिस्तान को

शकील अख्तर

युद्ध में हत्याएं नहीं होती। हत्या होती है आतंकवाद में। जो अमेरिका सबसे ज्यादा आतंकवाद के खिलाफ बात करता है वही अब सबसे बड़ा आतंकवादी बन कर दिखा रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई कहीं युद्ध के मोर्चे पर नहीं थे। उनके दफ्तर में मुखबिरों की मदद से उनकी हत्या कर दी गई। क्या मैसेज है? कि कोई नेता अपने देश में भी सुरक्षित नहीं है। उसके आसपास के लोग खरीदे जाएंगे और जब अमेरिका को वह फायदेमंद नहीं लगेगा उसे खतम कर दिया जाएगा। पहले अमेरिका उन्हें बदल देता था। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान में यह उसने बहुत किया है और आज वहां उसका सबसे वफादार आदमी प्रधानमंत्री बनकर बैठा है। खैर पाकिस्तान पर हम लिखेंगे इसी लेख में आगे मगर पहले अमेरिका की दादागिरी और दुनिया के 55 से ज्यादा मुस्लिम देशों के आत्मसमर्पण पर। ईरान में खामेनेई की हत्या से पहले वह इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को मार चुका है। उस समय भी मुस्लिम देश खामोश रहे और आज तो उनमें से अधिकांश बेशर्मी के साथ अमेरिका के साथ खड़े हैं। इजराइल का नाम हम इसलिए नहीं लिख रहे कि उसका अपना अलग से कोई अस्तित्व नहीं है। वह जो है अमेरिका की सहायता से ही है। हां, लेकिन फिर भी सऊदी अरब, कुवैत, यूएई और भी कई मुस्लिम देश गजा के नरसंहार से आंखें मूंदकर उससे दोस्ती कर चुके हैं और अमेरिका के तो सब गुलाम हैं। अमेरिका केवल आज्ञाकारी शासक चाहता है। जनता से उसे कोई मतलब नहीं होता। वह शासकों की पूरी मदद करता है कि वे अपनी जनता को अशिक्षित, अंधविश्वासी बना कर रखें। मुस्लिम देश यही कर रहे हैं। साइंस टेक्नालाजी अंग्रेजी की पढ़ाई कहीं नहीं है। पीढ़ियां पीछे की तरफ जा रही हैं। ऐशोआराम के नकली सामान जो अमेरिका पहुंचाता है उनका उपयोग शान के साथ करते हैं। खुद के यहां कुछ नहीं बनता। यहां तक कि जो सबसे बड़ी दौलत है तेल उसे भी अपने आप नहीं निकाल सकते। साफ करना तो दूर की बात है। तेल भी अमेरिका ही निकालता है और वही बताता है कि किसे बेचना है किसे नहीं। पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर होकर वे खुद को सुरक्षित समझते हैं। मगर यह भूल जाते हैं कि सुरक्षित तभी तक हैं जब तक अमेरिका के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहे हैं। जैसे ही एक भी हां में हां सही स्वर में नहीं मिलाई वह अब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं करता सीधे कत्ल ही कर देता है। दो उदाहरण बताए। दो सबसे ताकतवर मुस्लिम देशों के शासकों के। ईराक के सद्दाम हुसैन और ईरान के खामेनेई के। कत्ल। आतंकवाद का एक पहलू और होता है डर ज्यादा से ज्यादा फैलाना। तो इसके लिए वह वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठाकर ले गया। सोचिए किसी देश में घुसकर उसके राष्ट्रपति और उस की पत्नी को भी उठाकर ले जाना! और विश्व चुप रहे! गुंडागर्दी, आतंकवाद, डर और किसको कहते हैं? मुस्लिम देश अभी समझ नहीं रहे। वे तो अमेरिका के द्वारा दी गई सुविधाओं और सुरक्षा के झूठे आश्वासनों में झूम रहे हैं। लेकिन शासकों के एशोआराम अलग बात है लेकिन अगर ईरान की जनता लड़ गई तो यह मैसेज पूरे मुस्लिम देशों में जाएगा कि उनके भी अब खड़े होने का वक्त आ गया है। अरब देशों की जनता को वहां के शासक अमेरिका से मिलकर बाकी दुनिया से कई साल पीछे कर चुके हैं और उसी का नतीजा है कि आज जब लड़ाई ड्रोनों, मिसाइलों, कंप्यूटर से हो रही है तो वे उसके लड़ने की सोच भी नहीं सकते। कल उनके साथ कुछ होगा तो सिवा समर्पण के वे कुछ नहीं कर सकते। ईरान पर अमेरिका इजराइल के हमले के बहुत पहलू हैं। अगर रुस और चीन खड़े नहीं हुए तो एक ध्रुवीय व्यवस्था बन जाना। तेल के दाम बढ़ जाना। स्ट्रेट आफ होर्मुज (जलडमरू मध्य) बंद हो जाने से तेल का आना ही रुक जाना। मगर इस समय हम दो ही मुद्दों पर बात करना चाह रहे हैं। एक, जो लिखा कि 55 से ज्यादा देश होते हुए, एक शानदार विरासत रखते हुए, प्राकृतिक संसाधनों तेल से भरपूर होते हुए केवल समय के साथ न चल पाने के कारण आज किस तरह अमेरिका और इजराइल के भी पिछलग्गू बन गए।

दूसरा मुद्दा सीधा भारत से जुड़ा है। देश के सभी सीनियर डिप्लोमेट्स, टापब्यीरोक्रेट और रक्षा विशेषज्ञ जानते हैं कि आपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान क्यों ट्रंप को ज्यादा से ज्यादा खुश करने में लगा हुआ है। अगर कोई नहीं जानता तो वह हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। जो या तो जानते नहीं हैं। या जैसा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कह रहे हैं कि उनकी गर्दन दोनों हाथ से ट्रंप ने दाब रखी है। ट्रंप के एक हाथ में बदनाम एपस्टीन की फाइलें हैं। राहुल के अनुसार अभी 35 लाख और हैं। और राहुल का ही दावा है कि उसमें प्रधानमंत्री मोदी के बारे में है!

एक उस हाथ का दबाव। दूसरा हाथ अडानी के खिलाफ क्रिमिनल केस लिए हुए है और राहुल कहते हैं अडानी का केस मतलब भाजपा का पूरा आर्थिक साम्राज्य। अडानी पर अगर कार्रवाई होती है तो भाजपा का सारा पैसा जो उसके पास है डूब जाएगा। खत्म हो जाएगा। राहुल कहते हैं इन दोनों कारणों से मोदी जी ट्रंप के सामने बोल नहीं सकते।

फिलहाल राहुल इस दबाव की वजह से अमेरिका से हुई डील और उससे देश की खेती किसानी तबाह हो जाने, गारमेन्ट इंडस्ट्री खत्म हो जाने और देश के छोटे और लघु मध्यम उद्योग धंधे (एमएसएमई) की कमर टूट जाने की तरफ देश का ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। आर्थिक तूफान की चेतावनी दे रहे हैं। लेकिन एक और जो इसका महत्वपूर्ण पार्ट है उस पर अभी किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

हां जैसा कि ऊपर लिखा देश का डिप्लोमेट ब्यूरोक्रेट रक्षा अधिकारी इसको समझ रहे हैं। लेकिन या तो वे प्रधानमंत्री से बोल नहीं पा रहे या मोदी सुनकर भी राहुल के शब्दों में कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं। वे पूरी तरह कम्प्रोमाइज्ड (समझौते के अन्तर्गत, दबाव में) हैं।

किसान यूनियन भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे

मोहन ठाकन

भारतीय किसान यूनियन भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए कमर कस रहे हैं। मुख्य किसान यूनियनों ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले बैठक की और भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे भारत में एक साथ लगातार संघर्ष की योजना बनाई, जिसमें दूसरे जरूरी मुद्दे भी शामिल थे। एसकेएम नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप के टैरिफ को गैर–संवैधानिक ठहराए जाने के बाद भी, भारत ने एकतरफा फ्री ट्रेड घोषणा के खिलाफ अपनी बात नहीं रखी है। अब भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और इसके बजाय वैश्विक दक्षिण के दूसरे विकासशील देशों और ब्रिक्स, शंघाई कोऑपरेशन आदि जैसे गुटों के साथ मिलकर विकसित देशों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जैसा कि पिछले हफ्ते नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने सही सुझाव दिया था।य 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र में हुई एसकेएम की बैठक में इस समझौते के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताते हुए, डॉ. इंद्रजीत ने बताया, श्एसकेएम की राष्ट्रीय परिषद बैठक में यह तय किया गया है कि जब तक सभी बड़ी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, जैसे भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करना, बिजली विधेयक, बीज विधेयक, चारों श्रम संहिताएं, जी राम जी अधिनियम,सी250प्रतिशत की दर पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और एलएआरआर अधिनियम 2013 को लागू करने की मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मजदूरों के साथ मिलकर स्वतंत्र संघर्षों के साथ एकजुट संघर्षों को तेज किया जाएगा। एसकेएम केन्द्रीय श्रम संगठनों के प्लेटफॉर्म और खेती–बाड़ी करने वाले मजदूर यूनियनों के साथ समन्वय बैठक करेगा और एकजुट संघर्षों की आखिरी योजना तय करेगी। इस बैठक में एसकेएम ने तय किया कि किसानों का संगठन 9 मार्च तक जनसभाओं के जरिए गांवों तक संघर्ष को ले जाएगा, जिसमें भारत के राष्ट्रपति से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को हटाने, प्रधानमंत्री को देश विरोधी भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करने का निर्देश देने और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गेहूं और धान उपजाने वाले किसानों को बोनस खत्म करने का अर्ध–सरकारी पत्र वापस लेने का निर्देश देने की मांग की जाएगी। किसान भारत के राष्ट्रपति को ऐसे खुले खत भेजने के लिए पोस्ट ऑफिस तक जुलूस निकालेंगे। बैठक में उन गांवों में अभियान चलाने का फैसला किया गया जहां सेब, सोयाबीन, कपास, मक्का वगैरह जैसी प्रभावित हुई फसलें उगाई जाती हैं। एसकेएम के प्रतिनिधिमंडल अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्ष के नेताओं से मिलेंगे और मांग करेंगे कि वे मोदी सरकार द्वारा बिजली के केन्द्रीकरण का विरोध करें और राज्यों के गणराज्यीय अधिकारों की रक्षा करें, संसद से राज्यों की कर लगाने की शक्ति को वापस लाने के लिए जीएसटी कानून में बदलाव करने की अपील करें, सेस और सरचार्ज सहित विभाज्य पूल में मौजूदा 33प्रतिशत के बजाय राज्यों को 60प्रतिशत हिस्सा दें। बैठक में श्रम संगठनों और खेती–बाड़ी के मजदूरों के प्लेटफॉर्म के साथ संसद के अगले सत्र के पहले दिन 9 मार्च को जंतर–मंतर पर एक मजदूर–किसान संसद आयोजित करने का फैसला किया गया। एसकेएम की बैठक में पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र और केरल समेत 9 राज्यों के 150 लोग शामिल हुए। बैठक में सभी राज्य के समन्वय समितियों से कहा गया कि वे 10 मार्च को बरनाला, पंजाब से शुरू होकर 13 अप्रैल जलियांवाला बाग दिवस तक पूरे भारत में महापंचायतें करें। इन महापंचायतों में हजारों किसान इकट्ठा होंगे और भारत–अमेरिका व्यापार समझौता और मोदी सरकार की दूसरी कॉर्पोरेट–समर्थक नीतियों के खतरों के बारे में बताएंगे और भविष्य में लंबे संघर्ष की तैयारी करेंगे। एसकेएम के एक बयान में बताया गया है कि 23 मार्च शहीद दिवस को पूरे भारत में औपनिवेशिक विरोधी दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, जिसकी विस्तृत योजना राज्य स्तर पर बनाई जाएगी। बैठक में पंजाब, ओडिशा और महाराष्ट्र में किसानों के आंदोलनों पर पुलिस के जुल्म की निंदा करने का एक प्रस्ताव भी पास किया गया। सात सदस्यों वाले अध्यक्ष मंडल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जोगिंदर सिंह उगराहां, राकेश टिकैत, डॉ. अशोक धावले, आशीष मित्तल, जगमोहन सिंह, राजन क्षीरसागर और जोगिंदर सिंह नैन शामिल थे। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा नॉन–पॉलिटिकल (इंडिया) के भेजे गए पत्र पर चर्चा की गई और उनसे बातचीत करने के लिए जोगिंदर सिंह उगराहां, युद्धवीर सिंह, पी कृष्णप्रसाद, रमिंदर सिंह पटियाला और बलदेव सिंह निहालगढ़ की पांच सदस्यों वाली कमेटी बनाने का फैसला किया गया। यह भी तय किया गया कि एमएसपी और उससे जुड़े मुद्दों पर किसानों की मांगों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई कमेटी से मिलने के लिए 15 सदस्यों वाली कमेटी बनाई जाएगी। एसकेएम के दिशानिर्देश के मुताबिक, ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) की हरियाणा राज्य कमेटी ने राष्ट्रीय परिषद द्वारा दिए गए संघर्षों के आह्वान का समर्थन किया है। संयुक्त किसान मोर्चा की मंगलवार को कुरुक्षेत्र में बैठक हुई। मास्टर बलबीर सिंह की अध्यक्षता में, 26 फरवरी को हुई राज्य स्तरीय बैठक में सभी पदाधिकारी और जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने बताया कि अमेरिका के साथ एकतरफा और किसान विरोधी व्यापार समझौता कैसे पहले से ही मुश्किल में फंसे किसानों के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि अमेरिका ने इस असमान समझौते के तहत भारत के बड़े बाजार को भर दिया है। जिन दूसरे मुद्दों की सबसे ज्यादा आलोचना हुई, उनमें बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का सही मुआवजा न देने के मामले में हरियाणा सरकार का धोखेबाज रवैया, प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों के भ्रष्टाचार के घोटालों को बचाना और धान खरीद के घोटालों में कोई कार्रवाई न करना शामिल है। एसकेएम के साथ एक जैसा रवैया दिखाते हुए, किसान सभा के कार्यकर्ता 9 मार्च से पहले पूरे राज्य में किसानों से संपर्क करेंगे ताकि उन्हें आयात टैरिफ खत्म करके मुक्त व्यापार समझौते से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक किया जा सके। एआईकेएस, श्रम संगठनों और एसकेएम द्वारा मिलकर 9 मार्च को जंतर–मंतर पर किसानों और मजदूरों के श्समानान्तर संसदीय सत्रश्च में भी किसान सभा हिस्सा लेगी।

12,000 स्टूडेंट्स के सामने भूत बंगला का हुआ जबरदस्त प्रमोशन

> भूत बंगला को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर पेश किया है।

14 साल के लंबे इंतजार के बाद, बॉलीवुड की सबकी चहेती एक्टर–डायरेक्टर जोड़ी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन भूत बंगला के लिए फिर से साथ आए हैं, जिससे फैन्स के बीच जबरदस्त उत्साह है। हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे आइकॉनिक कॉमेडी फिल्में देने के लिए मशहूर यह जोड़ी अब एक हॉरर–कॉमेडी के साथ लौट रही है, जिसमें डर और हंसी का बराबर डोज मिलने वाला है। बालाजी मोशन पिक्चर्स के सपोर्ट वाली यह फिल्म उनके सिग्नेचर ह्यूमर, जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और उस एंटरटेनमेंट को वापस लाने के लिए तैयार है जिसने उनके पिछले कोलाबोरेशंस को कल्ट क्लासिक बना दिया था।फिल्म की रिलीज से पहले, अक्षय कुमार अपनी को–स्टार वामीका गब्बी के साथ एक कॉलेज कैंपस पहुंचे, जहां प्रमोशन के दौरान 10,000 से 12,000 स्टूडेंट्स की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वहां का माहौल एकदम इलेक्ट्रिक था, चारों तरफ शोर और तालियां गूंज रही थीं। इस दौरान दोनों ने एरियल सेटअप के जरिए आसमान से शानदार एंट्री ली और यह मौका फिल्म के पेपी ट्रैक राम जी आके भला करेंगे के साथ और भी यादगार बन गया। यह पूरा इवेंट एक विजुअल ट्रीट बन गया क्योंकि अक्षय और वामीका ने स्टूडेंट्स के साथ खूब बातें कीं और अपनी शानदार एनर्जी और मस्ती भरे अंदाज से वहां मौजूद हर किसी का उत्साह बढ़ा दिया। जितनी भारी भीड़ वहां जुटी और जैसा रिस्पॉन्स मिला, उससे साफ पता चलता है कि दर्शक अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की इस ओजी जोड़ी को बड़े पर्दे पर वापस देखने के लिए कितने बेताब हैं। भूत बंगला को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर पेश किया है। फिल्म में अक्षय कुमार, वामीका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव लीड रोल में हैं। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और इसके प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

'तुम्बाड' यूनिवर्स का विस्तार, मच अवेटेड सीक्वल में नजर आएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

तुम्बाड के अगले अध्याय को एक नई और दमदार ताकत मिल गई है। जी हां, मशहूर एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी अब तुम्बाड 2 में नजर आएंगे। इस कल्ट फ्रैंचाइजी के लिए यह एक बड़ी बात है। उनका इस फिल्म से जुड़ना एक साहसिक कदम है और मेकर्स इस यूनिवर्स को और ज्यादा गहरा और दिलचस्प बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अपनी लेयर्ड, अनप्रेडिक्टेबल और इमोशनल एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले नवाजुद्दीन इस सीक्वल की कहानी में जबरदस्त गहराई लाएंगे। हालाँकि उनके किरदार के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि वो फिल्म की कहानी में एक बहुत जरूरी रोल निभाएंगे, जो दर्शकों को मनोवैज्ञानिक रूप से झकझोर देगा और उनके नैतिक मूल्यों को चुनौती देगा। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, "मैं तुम्बाड की ऑरिजिनैलिटी और उसकी माहौल बनाने वाली कहानी का हमेशा से मुरीद रहा हूँ। जब सोहम ने मुझे सीक्वल का विजन बताया, तो मुझे कहानी पसंद आई और मैं इस सफर में उनके साथ जुड़ गया। इतने बड़े प्रोजेक्ट पर सोहम शाह और पेन स्टूडियो के साथ काम करना वाकई एक्साइटिंग है। मैं जो किरदार निभा रहा हूँ, उसमें कई परतें हैं, और मैं इतनी पैशनेट टीम के साथ इस इम्मर्सिव यूनिवर्स को एक्सप्लोर करने के लिए उत्सुक हूँ।"जल्द ही शूटिंग शुरू होने के साथ, तुम्बाड 2 आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन रही है। और अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी के आधिकारिक तौर पर इस दुनिया का हिस्सा बनने से, अगला अध्याय और भी अधिक डरावना, गहरा और यादगार होने का वादा करता है। सोहम शाह के लिए, जो एक्टर और प्रोड्यूसर के तौर पर तुम्बाड की दुनिया को लेकर बहुत पैशनेट रहे हैं, नवाज को लेना एक बड़ा क्रिएटिव फैसला है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे धाकड़ एक्टर के आने से, अब ये सीक्वल पहली फिल्म के खौफनाक माहौल को बनाए रखते हुए, और भी गहरी और पेचीदा इमोशनल कहानी दिखाने के लिए तैयार है।

20 साल बाद फिर बड़े पर्दे पर लौटेगी 'मालामाल वीकली', परेश रावल ने दी सीक्वल पर हरी झंडी

साल 2006 में रिलीज हुई निर्देशक प्रियदर्शन की कॉमेडी फिल्म मालामाल वीकली ने अपनी देसी कहानी और जबरदस्त हास्य के दम पर दर्शकों का दिल जीत लिया था। वहीं, अब करीब दो दशक बाद इस फिल्म को दोबारा बड़े पर्दे पर लाने की तैयारी की जा रही है। खबर है कि मालामाल वीकली का सीक्वल बनने जा रहा है और इस बात की पुष्टि खुद परेश रावल ने कर दी है। निर्माताओं की ओर से अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है, लेकिन परेश रावल ने एक इंटरव्यू में साफ कहा है कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा–हां, ये सच है। मैं ये फिल्म कर रहा हूं। करीब 20 साल बाद उसी दुनिया में लौटना, जहां एक लॉटरी टिकट ने पूरे गांव में अफरा–तफरी मचा दी थी, दर्शकों के लिए खास अनुभव हो सकता है। गौरतलब है कि साल 2012 में प्रियदर्शन कमाल धमाल मालामाल लेकर आए थे। इसे कई लोगों ने

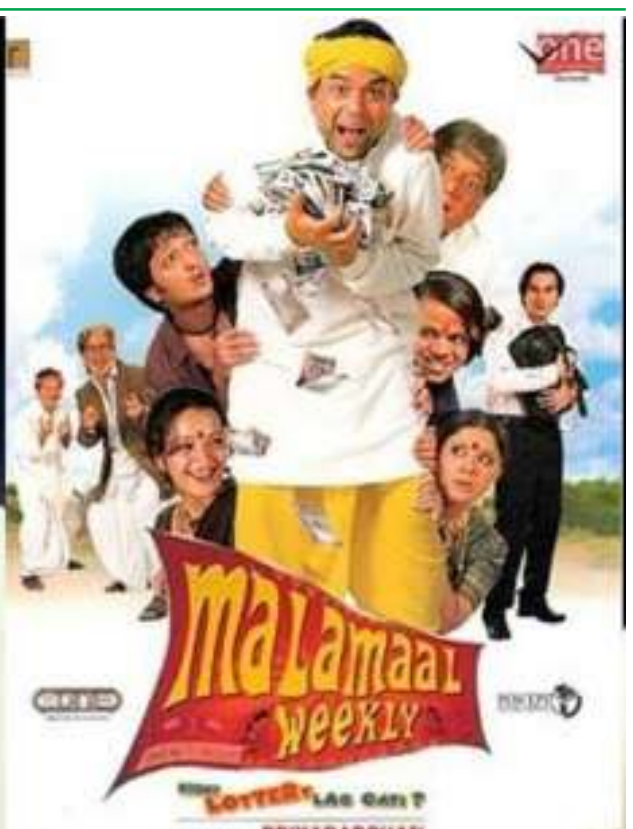

मालामाल वीकली की नई प्रस्तुति या रीबूट के रूप में देखा था। उस फिल्म में भी परेश रावल, राजपाल यादव, दिवंगत ओम पुरी और नाना पाटेकर जैसे कलाकार नजर आए थे। हालांकि वह फिल्म पहली वाली जादूगरी दोहरा नहीं पाई, लेकिन इसकी कॉमिक शैली को पसंद किया गया। परेश रावल इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। वह भागम भाग के सीक्वल भागम भाग 2 में नजर आएंगे। इस बार कास्ट में बदलाव देखने को मिलेगा और मनोज बाजपेयी की एंट्री चर्चा में है। निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी फिल्म भूत बंगला में वह अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इसके अलावा वह वेलकम टू द जंगल और में भी दिखाई देंगे, जिनको लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है।

अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ शेयर की फोटो, कहा- सरप्राइज मिलने वाला है

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने हलचल बढ़ा दी है। दरअसल, उन्होंने बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा किया है। इसके साथ कहा है कि फैंस को सरप्राइज मिलने वाला है। भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपनी फिल्मों और गानों की वजह से लाइमलाइट में रहती हैं। अक्षरा एक बार फिर चर्चा में हैं और इस बार वजह काफी दिलचस्प है। दरअसल, उन्होंने अक्षय कुमार के साथ एक फोटो साझा किया है। इसके साथ उन्होंने जो कैप्शन लिखा है, उसे देख फैंस भी कयास लगा रहे हैं कि क्या दोनों सितारे साथ आने वाले हैं? अक्षरा सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से अपनी और अक्षय कुमार की फोटो साझा की है। वे ब्लू कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं, अक्षय कुमार ग्रीन शर्ट में हैं और कैप लगा रखी है। अक्षरा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, जब खिलाड़ी की मुलाकात मृगनयनी से हो। और, कहानी अभी बाकी है। बड़ा सरप्राइज लोड हो रहा है। इस पोस्ट में अक्षरा ने अक्षय कुमार को भी टैग किया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजन्स के दिलचस्प कमेंट्स आ रहे हैं। यूजर्स तरह–तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ यूजर्स अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों शायद किसी फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं। वहीं, कुछ लोग पूछ रहे हैं कि क्या किसी नए गाने में इनकी जोड़ी देखने को मिलेगी? एक यूजर ने लिखा, भोजपुरी और बॉलीवुड की साझेदारी। एक अन्य यूजर ने लिखा है, कुछ तो पक रहा है। वैसे देखना दिलचस्प होगा कि अक्षरा सिंह इस सरप्राइज से कब पर्दा उठाती हैं? बता दें कि अक्षरा सिंह इन दिनों अपने होली स्पेशल सॉन्ग होली पे चले गोली को लेकर सुर्खियों में हैं। इस गाने में अक्षरा के साथ बॉलीवुड एक्टर वरुण शर्मा नजर आए हैं। दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिली है। इसके अलावा अक्षरा सिंह अपने कुकिंग व्लॉग को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने अपने माता–पिता के साथ चटर पटर व्लॉग शुरू किया है।

सोनू सूद फिर बने 'रियल लाइफ हीरो' की मिसाल, दुबई में फंसे लोगों की करेंगे मदद, कहा- हमसे संपर्क करें

सोनू सूद अक्सर लोगों की मदद के लिए आगे आते हैं। हाल ही में उन्होंने राजपाल यादव की भी मदद की थी। ये पहले एक्टर थे, जिन्होंने राजपाल की मदद के लिए पहल शुरू की थी और इंडस्ट्री के लोगों को मदद के लिए आगे आने को कहा था। अब पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच एक बार फिर सोनू सूद ने इंसानियत की मिसाल दी है। गुरुवार को सोनू सूद ने ऐलान किया कि दुबई में फंसे लोगों के लिए वे फ्री में रहने की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जो लोग इस संकट की वजह से दुबई में फंस गए हैं और उनके पास रहने की जगह नहीं है, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ऐसे लोगों को बिल्कुल मुफ्त ठहरने की सुविधा दी जाएगी। वीडियो में सोनू ने कहा, 'अगर कोई भी व्यक्ति इस समय के संकट में दुबई में फंसा हुआ है, तो हम बस इतना कहना चाहते हैं कि आपके पास रहने की जगह है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको फ्री ऑफ कॉस्ट रहने की सुविधा मिले।' उन्होंने आगे कहा कि चाहे भारतीय हों या किसी भी दूसरे देश के नागरिक, अगर वे दुबई में फंसे हैं तो उन्हें उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर डायरेक्ट मैसेज करना चाहिए और अपनी जानकारी शेयर करनी चाहिए।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा, पति के काम से खुश होकर कहा- 'मैं अली के नक्शेकदम पर चलना चाहूंगी'

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं। ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे–कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।' हालांकि ऋचा के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पूरी तरह नए नहीं हैं। वह पहले भी इंडियन–मेक्सिकन–अमेरिकन फिल्म 'वर्ड्स विद गॉड्स' (2014), इंडियन–फ्रेंच को–प्रोडक्शन 'मसान' (2015) और इंडो–अमेरिकन फिल्म 'लव सोनिया' (2018) में काम कर चुकी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली थी।

लोहे के तवे पर बनाना है क्रिस्पी डोसा तो इन टिप्स का रखें ध्यान, मिलेगा मार्केट जैसा स्वाद

लगभग हर किसी को साउथ इंडियन फूड काफी ज्यादा पसंद होता है। क्योंकि यह काफी हेल्दी होता है। वहीं कई लोग घर पर बाजार जैसा डोसा बनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन लोहे के तवे पर यह चिपक जाता है।

लगभग हर किसी को साउथ इंडियन फूड काफी ज्यादा पसंद होता है। तो वहीं सेलिब्रिट्री भी साउथ इंडियन फूड को लेकर अपना प्यार जग जाहिर कर चुके हैं। कई एक्टर और एक्टर्स ने य़ह भी बताया कि सांभर और चटनी के साथ वह नाश्ते में डोसा खाना पसंद करते हैं। क्योंकि यह काफी हेल्दी होता है। वहीं कई लोग घर पर बाजार जैसा डोसा बनाने का प्रयास करते हैं। लेकिन लोहे के तवे पर यह चिपक जाता है। जिससे न सिर्फ डोसा का टेस्ट खराब होता है, बल्कि तवा भी खराब हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी मार्केट जैसा डोसा घर पर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एकदम मार्केट जैसा कुरकुरा डोसा बनाने के टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में डोसा बनाने के दौरान आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

गंदा न हो तवा

अगर आप भी घर पर डोसा बनाना चाहती हैं, तो पहले तवे को अच्छे से साफ कर लें। तवे पर तेल या गंदगी नहीं लगी रहेगी, तो डोसा सही नहीं बनेगा। इसलिए तवे को अच्छे से साफ करने के बाद डोसा बनाना चाहिए।

ऐसे चिकना करें तवा

आपको बता दें कि डोसा बनाने के लिए तवा को पहले से तैयार कर लेना चाहिए। तवा को तैयार करने के लिए आलू और प्याज काट लें। फिर आधे कटे आलू व प्याज को तेल में डुबोकर इसको चिकना करें।

तवा को पहले गर्म फिर करें ठंडा

अगर तवे पर लगातार डोसा चिपक रहा है, तो पहले तवे को अच्छे से गर्म करें और फिर ठंडा कर लें। ऐसे में जब आप तवा पर डोसा बनाएंगी तो यह पहले से ज्यादा कुरकुरा बनेगा।

ना करें ऐसी गलतियां

डोसा बनाने के दौरान फ्रिज से बेटर निकालकर तुरंत इस्तेमाल न करें। बेटर को फ्रिज से निकालकर इसको कुछ देर के लिए बाहर रखें। बेटर तैयार करने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि इसमें ज्यादा पानी नहीं डाला गया। क्योंकि बेटर में ज्यादा पानी होने से डोसा फटने लगेगा।

पपीता ही नहीं इसके बीज भी फायदेमंद, इन बीमारियों से करेंगे बचाव

पपीता स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर इस फल का सेवन त्वचा के साथ–साथ पेट को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है। हालांकि पपीते का सेवन करते हुए लोग इसके बीजों को फेंक देते हैं परंतु आप यह जानकर हैरान हो जाएंगे कि पपीते के बीज भी स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। यह फाइबर, हैल्दी फैट और प्रोटीन का बहुत अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं। इसके अलावा इन बीजों में फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और कैल्शियम जैसे कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि पपीते के बीज खाने से सेहत को क्या–क्या फायदे होंगे।

कैंसर का जोखिम होगा कम

पपीते के बीजों में पॉलीफेनॉल्स पाए जाते हैं जो मजबूत एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं यह एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को कई तरह के कैंसर से बचाते हैं। 5–6 पपीते के बीज पीसकर जूस के साथ इनका सेवन करें।

डायबिटीज करेंगे कंट्रोल

डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों के लिए भी पपीते के बीज बेहद फायदेमंद होते हैं। क्योंकि इसमें सिर्फ फाइबर ही नहीं बल्कि ऐसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो हाई ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

वजन करेंगे कम

पपीते के बीजों में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। ऐसे में यह पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। यह शरीर के मेटाबॉल्जिम को कंट्रोल करके शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट जमा होने से रोकते हैं। यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इन बीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

मौसमी बीमारियों, एलर्जी और इंफेक्शन से बचाने के लिए भी यह बीज फायदेमंद माने जाते हैं। इनका सेवन करने से इम्यूनिटी पॉवर मजबूत होती है और इसका लगातार सेवन करने से स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने के लिए आप डाइट में पपीते के बीचों को शामिल कर सकते हैं। इसमें कारपेन नाम का पदार्थ पाया जाता है जो आंतों में मौजूद कीड़े और बैक्टीरिया को मारकर शरीर को कब्ज से बचाने में मदद करता है। इन बीजों का सेवन करने से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कंट्रोल

पपीते के बीजों का सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कंट्रोल में रहता है। इन बीजों में ओलिक एसिड और कुछ अन्य मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड पाए जाते हैं जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं। इनका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है।

कर्ली बालों में खूबसूरत दिखने के लिए बनाएं घी का हेयर मास्क, जानें इसके लाभ और बनाने का तरीका

कर्ली बालों को हेल्दी रखने के लिए घी का हेयर मास्क काफी फायदेमंद रहता है। सभी के घरों में घी का इस्तेमाल होता, सेहत के साथ–साथ घी कर्ली बालों को भी काफी हेल्दी रखता है। कर्ली बालों के पोषण के लिए घी से बनें हेयर मास्क का जरुर प्रयोग करें। इन हेयर मास्क से कर्ली बालों को मैनेज करना काफी आसान हो जाता है। त्वचा के साथ ही बालों का भी खास ख्याल रखना काफी जरुरी होता है। जिन लोगों के कर्ली यानी घुंघराले बाल होते है उनकों बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना होता है। कर्ली बाल दिखने में खूबसूरत तो लगते है लेकिन इन्हें संभलना काफी मुश्किल होता है। आमतौर पर कर्ली बालों में सबसे ज्यादा ड्राईनेस का समस्या उत्पन्न होती है। जिसस वजह से दोमुंहे बाल हो जाते हैं और हेयर की ग्रोथ भी कम हो जाती है। हमारे घरों में देसी घी का प्रयोग खाने में जरुर होता है, जो सेहत के लिए हेल्दी होता है। इसके साथ ही बालों के लिए घी काफी फायदेमंद होता है। कर्ली बालों को हेल्दी बनाने के लिए घी का हेयर मास्क बनाने के तरीके और फायदे बताने जा रहे हैं। इन हेयर मास्क से कर्ली बालों को मैनेज करना काफी आसान हो जाता है।

घी और एवोकाडो हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए आपको 2 चम्मच एवोकाडो का पल्प 1 चम्मच घी, 2 चम्मच दही और 1 चम्मच शहद चाहिए होगा। एक कटोरी में सभी चीजों को मिक्स करके हेयर मास्क का पेस्ट तैयार करें और इसे पूरे बालों और स्कैल्प पर लगाएं। मास्क को 30 मिनट के लिए लगा रहने दे और शैंपू की मदद से बालों का साफ करें। इस हेयर मास्क के इस्तेमाल से कर्ली बालों के उलझने की समस्या कम होगी और हेयर्स सॉफ्टा–शाइनी नजर आएंगे।

घी और मेथी हेयर मास्क

हेयर मास्क बनाने के लिए 3 चम्मच मेथी दाना को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रखना होगा। मॉर्निंग में मेथी दाना पीसकर पेस्ट तैयार करें और इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 2 चम्मच घी मिलाएं। इन सभी चीजों को मिक्स कर लें। फिर इसको बालों में लगा लें 30 मिनट के लिए, इसके बाद शैंपू से बाल धो लें। घी और मेथी के हेयर मास्क से कर्ली बालों का रुखापन दूर होगा और बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इसे हफ्ते में एक बार जरुर लगाएं।

घी और नींबू हेयर मास्क

कर्ली हेयर्स वालों को सिर में डैंड्रफ की समस्या रहती है उनके लिए घी और नींबू से बना हेयर मास्क फायदा कर सकता है। इस हेयर मास्क को बनाने के लिए 1 चम्मच घी में 2 चम्मच दही और 1 चम्मच नींबू का रस मिक्स करके हेयर मास्क का पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट से आप अपने स्कैल्प की अच्छे से मसाज करें और फिर 30 मिनट के लिए लगाकर रखें। इसके बाद आप शैंपू की मदद से बालों को साफ कर लें। इस हेयर मास्क से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी साथ ही कर्ली हेयर्स हेल्दी नजर आएंगे। इन घी के हेयर मास्क का उपयोग करके आप अपने कर्ली बालों को नेचुरली हेल्दी और शाइनी बना सकते हैं।

ब्रेन को स्वस्थ रखने के लिए आज से ही छोड़ दें ये आदतें, हमेशा सही रहेगी मेंटल हेल्थ

हमारे शरीर में भले ही मस्तिष्क छोटा सा दिखने वाला अंग है। दिमाग को पूरे शरीर का मास्टरमाइंड माना जाता है। विचार, गति और भावनाओं को कंट्रोल करने के साथ ही शरीर के किस अंग को कौन सा और किस तरह से काम करना है, यह सबकुछ दिमाग ही निर्धारित करता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हमारे दिमाग का कुल भार एक किलोग्राम से कुछ अधिक होता है। लेकिन यह पावरहाउस से कम नहीं होता है। आपको बता दें कि मस्तिष्क में अरबों तंत्रिका कोशिकाएं होती हैं, जो सब जरूरी कार्यों को संभव बनाती हैं। मस्तिष्क की इन कोशिकाओं को न्यूरॉन्स कहा जाता है। यह शरीर के बाकी हिस्सों में जानकारी भेजने का काम करती हैं। यदि दिमाग में किसी तरह की समस्या होती है, तो शरीर के सभी अंगों को मिलने वाली जानकारी में भी दिक्कत हो सकती है। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्टस् दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए लगातार प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं।

ब्रेन संबंधी बढ़ती समस्याएं

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो हमारे शरीर की सबसे मूल्यवान संपत्ति दिमाग है। जो शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करता है। लेकिन हमारी खराब लाइफस्टाइल की वजह से ब्रेन की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को अपने दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। लेकिन क्या आप अपने ब्रेन का ख्याल रखते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके दिमाग को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में इन आदतों से बचे रहना बेहद जरूरी है।

धूम्रपान की आदत

धूम्रपान न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य बल्कि मस्तिष्क के लिए भी नुकसानदायक होता है। धूम्रपान करने से फेफड़ों की बीमारी होती है और ब्रेन पर भी इसका निगेटिव असर पड़ सकता है। धूम्रपान रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। जिसके कारण क्रोनिक इंफ्लामेशन भी हो सकता है। ऐसी स्थिति ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाने के साथ ही संज्ञानात्मक गिरावट की भी वजह बन सकती है। धूम्रपान करने वाले लोगों में डिमेंशिया रोग होने की संभावना होती है। ऐसे में आप धूम्रपान की आदत को छोड़कर दिमाग को स्वस्थ रख सकते हैं।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल

व्यायाम न करना और शारीरिक सक्रियता की कमी भी हमारे मस्तिष्क को नुकसान पहुंता सकती है। अगर आपकी लाइफस्टाइल गतिहीन है, तो इसके सकारात्मक बदलाव लाना जरूरी है। क्योंकि दिनभर बैठे रहना या अधिक अस्थिरता की वजह से हृदय रोग, मोटापा और मधुमेह समेत कई स्वास्थ्य समस्याएं आपको घेर सकती हैं। यह सभी स्थितियां और आदतें आपके मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल के कारण भी डिमेंशिया हो सकता है। ऐसे में मस्तिष्क को हेल्दी रखने के लिए रोजाना व्यायाम आदि करना चाहिए।

पर्याप्त नींद न लेना

जब आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो इसका आपके दिमाग पर नकारात्मक असर पड़ता है। क्योंकि आपके दिमाग को भी आराम करने और ठीक होने के लिए कुछ समय चाहिए होता है। ऐसे में नींद पूरी न होने पर स्मृति हानि, संज्ञानात्मक गिरावट और मूड में बदलाव जैसी समस्याएं आपको घेर सकती हैं। कुछ रिसर्चों की मानें तो नींद की कमी होने पर चिड़चिड़ापन और चीजों को याद रख पाने में दिक्कत होती है। ऐसे में मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए।

पूरा नहीं हो रहा पेरेंट्स बनने का सपना, खराब लाइफस्टाइल बन रही बाधा? इन सुपरफूड्स को डाइट में करें शामिल, जल्द मिलेगी खुशखबरी

पुरुषों और महिलाओं की लाइफस्टाइल में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ये बदलाव दोनों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। तनाव, ख़राब डाइट, स्मोकिंग–अल्कोहल जैसी चीजों का और एक्सरसाइज की कमी जैसे कारक प्रजनन संबंधी समस्याओं को और भी ज्यादा गंभीर बनाने में लगे हुए हैं। हालाँकि, अच्छी डाइट अपनाकर पुरुष और महिला अपनी प्रजनन क्षमता को ठीक कर सकते हैं। महिला और पुरुषों को एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन और खनिज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। स्वस्थ और संतुलित डाइट पुरुषों में शुक्राणु की गुणवत्ता और गतिशीलता को बढ़ाने में मदद करती है। वहीं महिलाओं में यह हार्मोनल संतुलन को बढ़ावा देकर प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार का समर्थन करेगी। ऐसे में चलिए जानते हैं महिला और पुरुषों को पोषक तत्वों से भरपूर कौन–कौन सी चीजें अपनी डाइट में शामिल करनी चाहिए, जो प्रजनन क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

खजूर– खजूर कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। ये महिला और पुरुष दोनों के लिए उपयोगी है। खजूर एक स्वस्थ तंत्रिका टॉनिक देता है, जो पुरुषों और महिलाओं को शारीरिक शक्ति प्रदान करने में मदद करता है। इसके अलावा भी स्वास्थ्य को कई लाभ पहुंचाता है।

इलायची– चाय और खाने का स्वाद बढ़ाने वाली इलायची पित्त और वात दोष को संतुलित करती है। इसमें कई महत्वपूर्ण विटामिन जैसे राइबोफ्लेविन और नियासिन, एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं और स्तंभन दोष और नपुंसकता को दूर करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

गाय का घी– ये मनुष्य के लिए अब तक ज्ञात सबसे पवित्र, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य लाभ देने वाला पदार्थ है। गाय का घी उन दम्पत्तियों के लिए अनिवार्य है जो किसी भी रूप में स्वस्थ गर्भावस्था और स्वस्थ बच्चा पैदा करना चाहते हैं। इसका रोजाना सेवन करने से महिला और पुरुषों की प्रजनन क्षमता में काफी सुधार होता है।

लौंग– आयुर्वेद में लोगों की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए लौंग का इस्तेमाल होता है। ये

विटामिन सी, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होती है। सिमित मात्रा में लौंग का सेवन करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते है, जिनमें प्रजनन क्षमता में सुधार शामिल है।

गन्ने– गर्मियों में गन्ने के जूस का खूब सेवन किया जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि गन्ने का सेवन करना प्रजनन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। गन्ने को आयुर्वेद में इक्षु कहा जाता है। इसमें कामोत्तेजक, शारीरिक शक्ति और वीर्य की गुणवत्ता में सुधार करने के गुण पाए जाते हैं।

किशमिश– काली किशमिश को त्रिदोष संतुलन के लिए सबसे अच्छा फल कहा जाता है। इसमें अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ाने के गुण पाए जाते हैं, जो यौन शक्ति को बढ़ाने में भी मदद करते हैं। इसलिए खराब प्रजनन क्षमता से जूझ रहे लोगों को डाइट में काली किशमिश शामिल करनी चाहिए।

जायफल– ये एक मजबूत जड़ी बूटी है, जिसका उपयोग पुरुषों और महिलाओं की प्रजनन क्षमता को स्वस्थ करने के लिए किया जाता है। इसमें उच्च शक्ति होती है जो वीर्य की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार करने में मदद करती है। जायफल महिलाओं के स्वस्थ प्रजनन को बढ़ावा देता है।

न्यूजीलैंड ने कटाया फाइनल का टिकट

सीफर्ट और एलेन ने तोड़ा दक्षिण अफ्रीका का सपना, पहली ट्रॉफी का इंतजार बढ़ा

कोलकाता, एजेंसी। गेंदबाजों के बाद टिम सीफर्ट और फिन एलेन की शानदार साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। दक्षिण अफ्रीका ने मार्को यानसेन के दमदार प्रदर्शन से 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड के लिए सीफर्ट और एलेन ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 12.5 ओवर में एक विकेट पर 173 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। यह दूसरी बार है जब कीवी टीम इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम ने 2021 में खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया था, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

सीफर्ट और एलेन की मजबूत साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए टिम सीफर्ट और फिन एलेन ने न्यूजीलैंड को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी हुई। टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैच में यह दूसरी सर्वोच्च शतकीय साझेदारी है। सीफर्ट और एलेन ने इस मामले में इंग्लैंड के क्रैग किएसवेटर और केविन पीटरसन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2010 में फाइनल मुकाबले में 111 रनों की साझेदारी की थी। इस मामले में सीफर्ट और एलेन से आगे जोस बटलर और एलेक्स हेल्स की जोड़ी है जिसने 2022 में भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 170′ रनों की साझेदारी की थी। मौजूदा टूर्नामेंट में यह दूसरी बार है जब एलेन और सीफर्ट के बीच शतकीय साझेदारी हुई है।

एलेन ने जड़ा टी20 विश्व कप का सबसे तेज शतक

एलेन और सीफर्ट ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। सीफर्ट ने पहले 28 गेंदों पर पचासा पूरा किया। कगिसो रबादा ने टिम सीफर्ट को आउट कर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया और इस साझेदारी का अंत किया। सीफर्ट 33 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रन बनाकर आउट हुए। सीफर्ट के पवेलियन लौटने के बाद भी एलेन ने मोर्चा संभाले रखा। उन्होंने 19 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। यह टी20 विश्व कप में किसी बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है। इसके बाद वह रुके ही नहीं और लगातार बड़े शॉट्स लगाते रहे।

एलेन ने यानसेन की गेंद पर चौके लगाकर टीम को जीत दिलाई और अपना शतक पूरा किया। एलेन ने महज 33 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया और टी20 विश्व कप का सबसे तेज शतक लगा दिया। इतना ही नहीं एलेन ने संयुक्त रूप से टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीसरा सबसे तेज शतक लगाया। उनसे तेज शतक टी20 में तुर्किये के मोहम्मद फहाद (29 गेंद) और एस्टोनिया के साहिल चौहान (27 गेंद) ने लगाया है। एलेन 33 गेंदों पर 10 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 100 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि रचिन रवींद्र ने 11 गेंदों पर दो चौकों की मदद से नाबाद 13 रन बनाए।

बड़े मुकाबलों में फिर चोकर्स साबित हुई दक्षिण अफ्रीका

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका का प्रदर्शन टी20 विश्व कप में दमदार चल रहा था। टीम ने ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ में भी अपने सारे मुकाबले जीते थे। दक्षिण अफ्रीका ने खिताब की प्रबल दावेदार भारत को भी हराया था, लेकिन एक बार फिर बड़े मुकाबलों में टीम दबाव नहीं झेल सकी। न्यूजीलैंड ने आखिरकार दक्षिण अफ्रीका का विजयी अभियान रोका। दक्षिण अफ्रीका ने अब तक कभी टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है और उसका इंतजार फिर बढ़ गया है।

दक्षिण अफ्रीका को लगे शुरुआती झटके

बल्लेबाजों के लिए कठिन पिच पर न्यूजीलैंड के आफ स्पिनर कोल मैकोंची और बाएं हाथ के स्पिनर रचिन रवींद्र ने कहर बरपाती हुई गेंदबाजी करके दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया। पहले गेंदबाजी चुनने वाली न्यूजीलैंड टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने दूसरे ओवर में ऑफ स्पिनर मैकोंची को गेंद सौंपी जिन्होंने मैच में एक ही ओवर डाला लेकिन क्विंटन डिकॉक (10) और रेयान रिकेल्टन (0) को लगातार दो गेंदों पर आउट किया। डेवाल्ड ब्रेविस ने 27 गेंद में 34 रन बनाए लेकिन वह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके। उन्हें जेम्स नीशाम ने आउट किया। रचिन ने एडेन मार्करम (18) और डेविड मिलर (छह) को पवेलियन भेजा। ब्रेविस के आउट होने के समय न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 77 रन था।

यानसेन ने चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचा

दक्षिण अफ्रीका की लड़खड़ाती पारी को मार्को यानसेन ने संभाला। यानसेन ने 30 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। यानसेन ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ 73 रन जोड़े। पारी के आगे बढ़ने के साथ ही ओस की भूमिका अहम हो गई और स्ट्रोक्स खेलना आसान लगने लगा। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शामिल यानसेन ने अपनी पारी में पांच छक्के लगाए और अधिकांश छक्के दर्शक दीर्घा की 15वीं पंक्ति के पार गए जिससे उनके दमखम और टाइमिंग का पता चलता है। उन्होंने 19वें ओवर में लॉकी फर्ग्यूसन को दो छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका टीम ने आखिरी दो ओवर में विकेट गंवाए और टीम 170 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सकी।

क्या भारत से मिली सीख आई काम ?, एलेन ने 33 गेंदों में जड़ा शतक, न्यूजीलैंड के फाइनल में पहुंचने पर कही यह बात

कोलकाता। न्यूजीलैंड के विस्फोटक ओपनर फिन एलेन ने टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में ऐसा तूफान खड़ा किया कि दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम देखते ही रह गई। कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेले गए मुकाबले में एलेन ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को नौ विकेट से शानदार जीत दिला दी। न्यूजीलैंड ने 170 रन के लक्ष्य को सिर्फ 12.5 ओवर में हासिल कर लिया और 43 गेंद पहले ही मैच खत्म कर दिया। एलेन ने अपने धमाकेदार शॉट्स से पूरे स्टेडियम में रोमांच भर दिया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

मैच के बाद एलेन ने अपनी इस शानदार पारी के पीछे भारत के खिलाफ खेली गई सीरीज को बड़ा कारण बताया। उनका मानना है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई पांच मैचों की सीरीज ने टीम को यहां की परिस्थितियों को समझने में काफी मदद की। एलेन ने कहा, यह दिखाता है कि विश्व कप से पहले भारत में खेली गई सीरीज कितनी अहम थी। काली मिट्टी की पिचों पर पांच मैच खेलने से हमें काफी अनुभव मिला, ऐसी तैयारी को दोहराना आसान नहीं होता। उन्होंने यह भी माना कि भले ही उस सीरीज में न्यूजीलैंड को हार मिली थी, लेकिन टीम को वहां से आत्मविश्वास और अनुभव जरूर मिला। एलेन ने अपनी पारी का श्रेय न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को भी दिया, जिन्होंने शुरुआत में विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने कहा, श्हमारे गेंदबाजों ने शानदार शुरुआत की और मैच हमारे लिए सेट कर दिया। ऐसी पिच पर अगर शुरुआत में विकेट मिल जाएं और दबाव बनाया जाए तो बल्लेबाजों के लिए काम आसान हो जाता है।

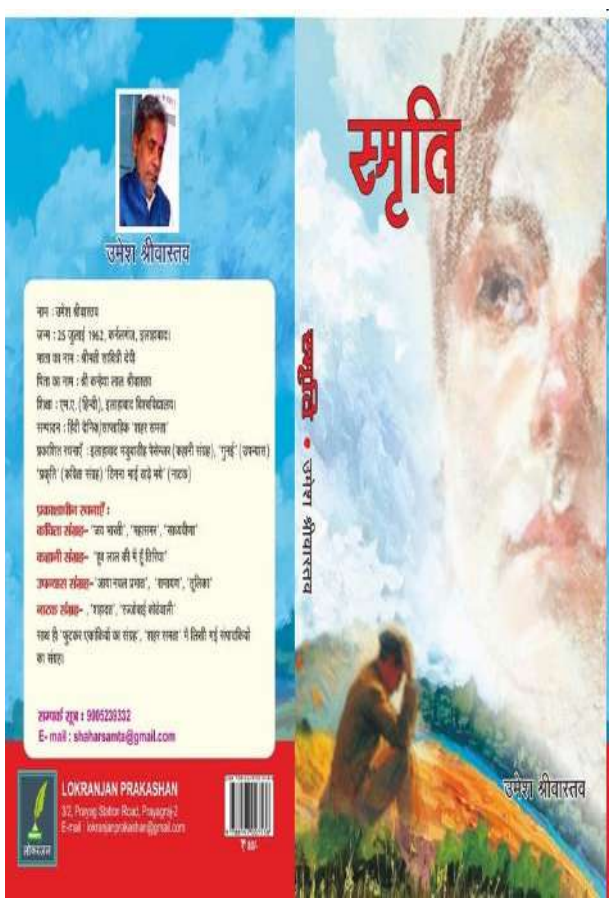

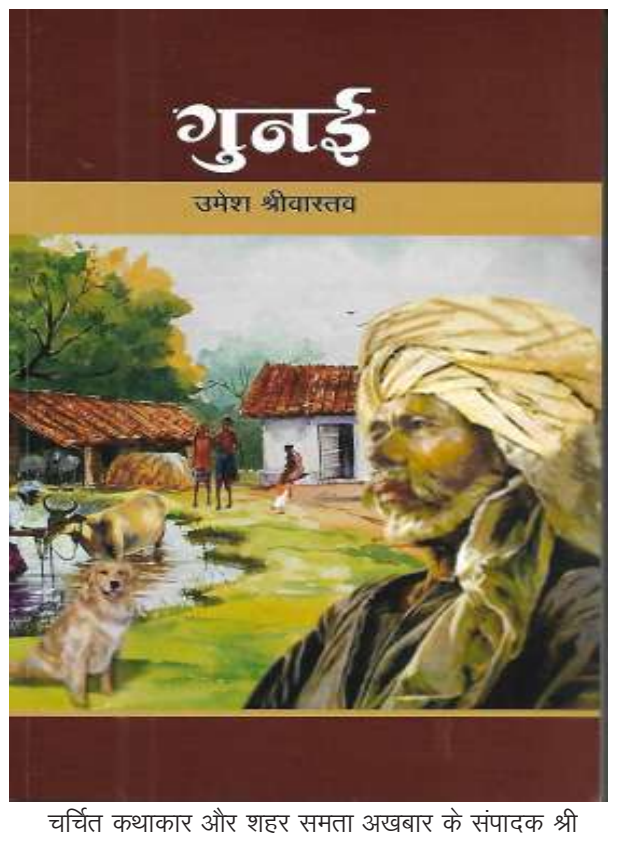

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

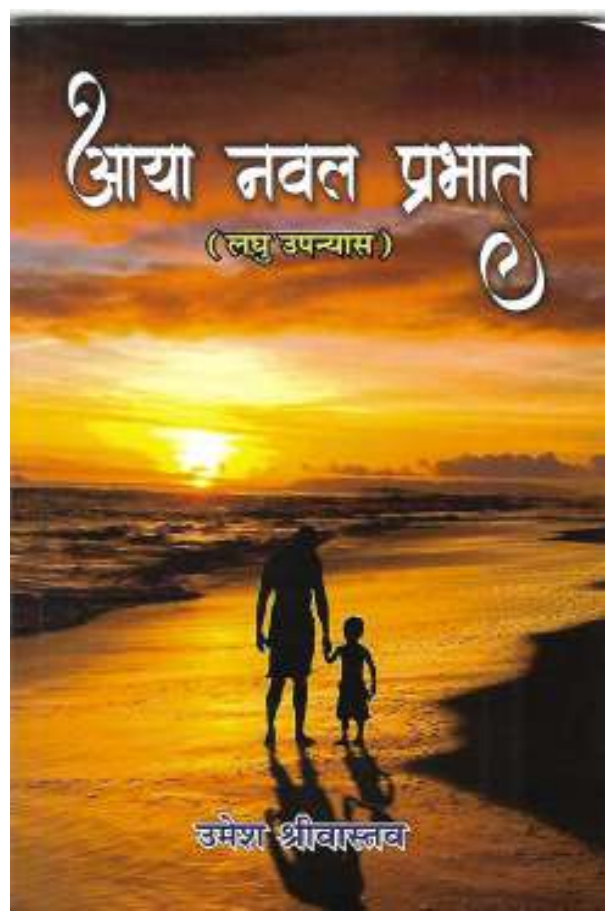

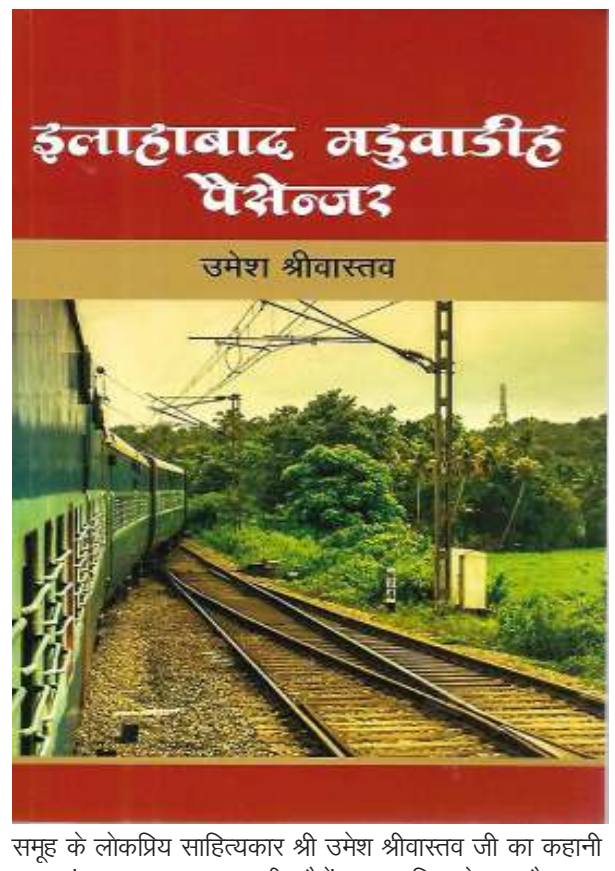

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

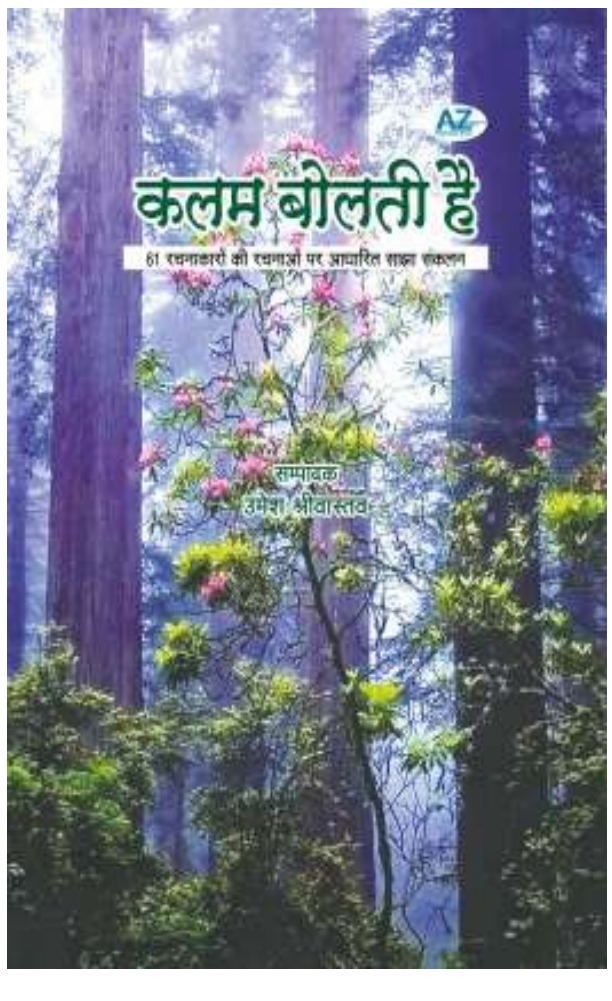

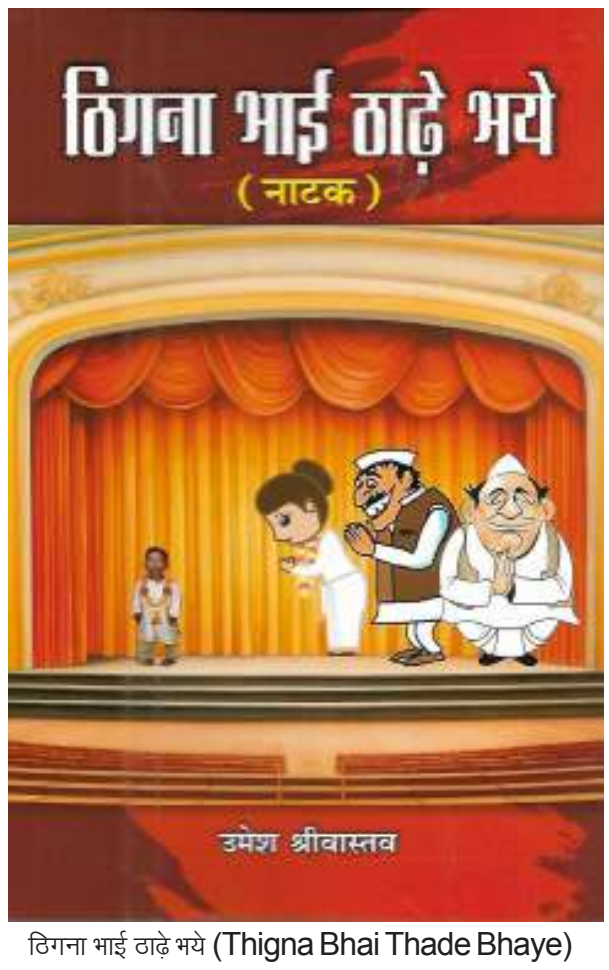

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

आखिरकार स्वदेश लौटी जिम्बाब्वे की टीम, आईसीसी ने की वैकल्पिक व्यवस्थाय जानें किस कारण हुई देरी

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को बताया है कि टीम भारत में टी20 विश्व कप 2026 में अपना सफर समाप्त होने के बाद स्वदेश लौट रही है। इस्राइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने के कारण मूल यात्रा योजना प्रभावित हुई थी। इसके बाद आईसीसी ने वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की जिसके बाद टीम स्वदेश लौट सकी। जिम्बाब्वे का टूर्नामेंट में सफर रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में सुपर–8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से पांच विकेट की हार के साथ समाप्त हो गया था। टीम को सोमवार सुबह 4रू30 बजे से तीन बैच में नई दिल्ली से दुबई होते हुए हरारे रवाना होना था। योजना के अनुसार उन्हें उड़ान से दुबई और वहां से कनेक्टिंग फ्लाइट लेकर हरारे पहुंचना था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एयरस्पेस बंद होने से दुबई और अबू धाबी में हजारों उड़ानें रद्द हो गईं, जिससे जिम्बाब्वे टीम की वापसी प्रभावित हुई। इसके बाद, आईसीसी ने वैकल्पिक रूट तैयार किया। जिम्बाब्वे क्रिकेट के मुताबिक, फ्लाइट उपलब्धता और बदले हुए मार्ग के कारण टीम अलग–अलग बैच में हरारे लौटेगी। पहला समूह बुधवार को भारत से रवाना हो चुका है, जबकि अंतिम समूह शुक्रवार दोपहर को रवाना होगा। आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अपडेट जारी किए जाएंगे। आईसीसी के एक अधिकारी के मुताबिक नई व्यवस्था के तहत टीम का नया ट्रांजिट प्वाइंट इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा रखा गया है। खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ अब उड़ानों से अदीस अबाबा होते हुए हरारे पहुंचेंगे। वेस्टइंडीज को भी कोलकाता में सुपर–8 चरण समाप्त होने के बाद इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुताबिक, वह आईसीसी और संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने में जुटा है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण उत्पन्न परेशानी के बावजूद, आईसीसी और संबंधित बोर्डों के समन्वय से टीमों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया जारी है।

ओवरवेट रेटिंग के बाद इन दोनों कंपनियों के शेयरों में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन की सकारात्मक कवरेज के बाद गुरुवार को अदाणी पोर्ट्स और जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान दोनों कंपनियों के शेयर करीब 2: तक उछल गए। जेपी मॉर्गन ने दोनों स्टॉक्स को ओवरवेट रेटिंग देते हुए भारतीय पोर्ट्स सेक्टर में मजबूत संरचनात्मक ग्रोथ की संभावना जताई है। ब्रोकरेज का मानना है कि इस सेक्टर में उच्च प्रवेश बाधाएं, उद्योग में बढ़ता समेकन और मजबूत प्राइसिंग पावर कंपनियों की आय को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। ब्रोकरेज ने अदाणी पोर्ट्स के लिए 1,944 रुपये और जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 310 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। ये लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 के अनुमानित ईबीआईटीडीए के आधार पर निर्धारित किए गए हैं।

एसबीआई का मेगा भर्ती अभियान, चेयरमैन बोले- हर साल 16000 नए कर्मचारियों को जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने देशभर में अपनी ब्रांच बैंकिंग सेवाओं और ग्राहक अनुभव को मजबूत करने के लिए एक बड़े भर्ती अभियान की घोषणा की है। बैंक ने हाल ही में 5,783 जूनियर एसोसिएट्स की नियुक्ति की है। यह रणनीतिक कदम बैंक के उस बड़े विजन का हिस्सा है, जिसके तहत अगले पांच से छह वर्षों में कुल कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं। एसबीआई ने देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5,783 जूनियर एसोसिएट्स की नियुक्ति की है। अगर चालू वित्त वर्ष के समग्र आंकड़ों की बात करें, तो बैंक ने विभिन्न भूमिकाओं और ग्रेड में 18,000 से अधिक नए कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ा है, जो हाल के वर्षों में बैंक के सबसे बड़े और व्यापक टैलेंट

इंडक्शन ड्राइव (प्रतिभा चयन अभियान) में से एक है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों के बीच भारी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। कुल 9,00,771 उम्मीदवारों ने इन पदों के लिए आवेदन किया था। चयन प्रक्रिया के तहत, सितंबर 2025 में हुई प्रारंभिक परीक्षा के आधार पर 1,20,006 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिन्होंने नवंबर 2025 में आयोजित मुख्य परीक्षा में हिस्सा लिया था। एसबीआई के चेयरमैन चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी ने स्पष्ट किया है कि बैंक अपनी विकास यात्रा को शक्ति प्रदान करने के लिए हर साल लगभग 16,000 कर्मचारियों को नियुक्त करने का इरादा रखता है। इसका मुख्य उद्देश्य एक श्भविष्य के लिए तैयारश और डिजिटल रूप से कुशल कार्यबल का निर्माण करना है। इस बड़े पैमाने की भर्ती का मुख्य फोकस बैंक की फ्रंटलाइन क्षमताओं को मजबूत करना और राष्ट्रव्यापी स्तर पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

संक्षिप्त

ईरान से जंग के बीच अमेरिका का बड़ा कदम, डूम्सडे बैलिस्टिक मिसाइल का किया परीक्षण

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने मंगलवार रात कैलिफोर्निया तट पर अपनी श्डूम्सडेश बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। श्मिनटमैन प्प्श नाम की यह मिसाइल बेहद घातक है। यह हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम से 20 गुना ज्यादा शक्तिशाली परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता रखती है। इसे सांता बारबरा के पास वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से रात 11 बजे लॉन्च किया गया। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने जानकारी दी कि श्जीटी 254श नाम का यह रॉकेट बिना किसी हथियार के छोड़ा गया था। इसने प्रशांत महासागर में मार्शल आइलैंड्स के पास अपने तय लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने बताया कि इस मिसाइल को इसकी सटीकता और तैयारी को परखने के लिए दागा गया था। 576वें फ्लाइट टेस्ट स्क्वाड्रन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल कैरी रे ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि इस टेस्ट से मिसाइल सिस्टम के अलग–अलग हिस्सों की कार्यक्षमता का अंदाजा लगाने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि ऐसे परीक्षणों से देश की परमाणु शक्ति के जमीनी हिस्से को और भी मजबूत और तैयार रखा जा सकता है। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और इस्राइल ने हाल ही में ईरान पर हमला किया था। उस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिससे पूरे इलाके में जंग छिड़ गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमले तेज करने चेतावनी दी है और कहा है कि एक बड़ा हमला होने वाला है। हालांकि, एयर फोर्स ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने यह भी साफ किया कि मंगलवार का यह परीक्षण रूटीन था और इसकी योजना वर्षों पहले ही बना ली गई थी।

'बेजोड़ शख्स हैं पीएम मोदी', कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने की जमकर तारीफ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित एक सेमिनार में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने पीएम मोदी को एक अनोखा इंसान बताया। कार्नी ने भारत के अपने पिछले दौरे और मोदी के साथ हुई मुलाकात के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मोदी का समर्पण अद्भुत है। पिछले 25 वर्षों में उन्होंने एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। चाहे वे गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हों या अब देश के प्रधानमंत्री, उन्होंने लगातार काम किया है। कार्नी ने बताया कि मोदी हर वीकेंड पर चुनाव प्रचार के लिए जाते हैं। उनकी रैलियों में ढाई लाख से ज्यादा लोग जुटते हैं। उन्होंने मोदी के काम करने के तरीके पर भी बात की। कार्नी के अनुसार, मोदी का पूरा ध्यान गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करने पर रहता है। वे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने में यकीन रखते हैं। उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और यूपीआई की विशेष रूप से तारीफ की। कार्नी ने कहा कि मोदी ने एक ऐसा सिस्टम बनाया है जिसे कोई भी अपना सकता है। इस तकनीक की वजह से पैसा बिना किसी बिचौलिए के सीधे लोगों के खातों में पहुंचता है। इसमें किसी भी तरह की हेराफेरी की गुंजाइश नहीं रहती। इस बदलाव ने करोड़ों लोगों को देश की मुख्य अर्थव्यवस्था से जोड़ दिया है। कार्नी का यह भारत दौरा दोनों देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए था। इस दौरान तकनीक और संस्कृति जैसे कई क्षेत्रों में अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। उन्होंने इसे साझेदारी का नया दौर करार दिया। कार्नी ने भरोसा दिलाया कि कनाडा भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में पूरी मदद करेगा। कनाडाई कंपनी कैमेको ने भारत को यूरेनियम सप्लाई करने के लिए एक लंबा समझौता किया है। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को लेकर भी बातचीत चल रही है। भारत और कनाडा अपने पुराने रक्षा समझौते को फिर से नया करने की प्रक्रिया में हैं। कार्नी ने बताया कि लगभग 20 लाख भारतीय मूल के लोग कनाडा में रहते हैं। हजारों लोग हर साल दोनों देशों के बीच यात्रा करते हैं। इससे दोनों देशों के बीच आपसी और सांस्कृतिक रिश्ते बहुत मजबूत होते हैं।

जंग में हिस्सा लेने से नहीं कर सकते इनकार, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी का बड़ा बयान

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को कहा कि मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष में सैन्य भागीदारी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। पीएम मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में कनाडा की भागीदारी को पूरी तरह से नकारा नहीं जा सकता। उनकी यह टिप्पणी उनके उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि संघर्ष को जन्म देने वाले अमेरिकी–इस्राइली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ दिखते हैं। मार्क कार्नी ने ओटावा का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मध्य पूर्व में हो रहे घटनाक्रमों पर कनाडा का रुख साफ है। उन्होंने ईरान को पूरे क्षेत्र में अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत बताया और उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार प्राप्त करने या विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कार्नी ने कहा कि कनाडा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने ईरान से बार–बार अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने का आह्वान किया है। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में हुई चर्चाओं और पिछले सितंबर में फिर से लागू किए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का जिक्र किया। कैनबरा में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कार्नी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने एकजुट रुख दिखाया। उन्होंने मध्य पूर्व में व्यापक शत्रुता को कम करने का आग्रह किया गया और साथ ही ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने की जरूरत पर जोर दिया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

नेपाल में क्या हैं इस चुनाव के मुद्दे? : पीएम पद के लिए किसके बीच मुकाबला, कौन से अहम चेहरे मैदान में

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में गुरुवार (5 मार्च) को होने वाले चुनावों के लिए देश के सियासी दलों ने कमर कस ली है। सितंबर में जेन जेड की ओर से किए गए प्रदर्शनों के बाद अब यह पहला चुनाव है। एक ओर जहां इस चुनाव में कुछ नई पार्टियां युवाओं के वोटों को हासिल कर नेपाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को बदलने के लिए संघर्ष करेंगी तो कुछ पुराने दल इस चुनाव में अपनी वैधता की लड़ाई जारी रखेंगे। इनमें से कई पार्टियां तो अपना राष्ट्रीय दर्जा तक बचाने की जंग में होंगी।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन–कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी?

नेपाल चुनाव में इस बार कौन ठोंक रहा पीएम पद के लिए ताल?

नेपाल के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए मुख्य रूप से चार बड़े नेता ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अलग–अलग सर्वे एजेंसियों का मानना है कि मुख्य मुकाबला जेन जेड प्रदर्शनों के बाद उभरे बालेन्द्र शाह और इस प्रदर्शन के बाद पद छोड़ने को मजबूर हुए केपी शर्मा ओली के बीच ही होगा।

1. बालेन्द्र शाह (बालेन)

35 वर्षीय बालेन का जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था, जब नेपाल में माओवादी गृहयुद्ध चल रहा था। पेशे से वह एक सिविल इंजीनियर हैं और राजनीति में आने से पहले एक अंडरग्राउंड हिप–हॉप आर्टिस्ट (रैपर) हुआ करते थे। उनके गानों में अक्सर भ्रष्टाचार और असमानता का कड़ा विरोध देखने को मिलता था, जिससे उन्हें युवाओं के बीच खासी पहचान मिली।

सियासी सफररू संगीत से मिली अपनी लोकप्रियता को उन्होंने राजनीति में मोड़ा और 2022 में काठमांडू के पहले निर्दलीय मेयर चुने गए। मेयर के रूप में उन्होंने टैक्स चोरी, ट्रैफिक जाम और कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर कड़े फैसले लिए और एक स्पष्टवादी सुधारक की छवि बनाई। सितंबर 2025 के युवाओं के प्रदर्शनों का समर्थन करने के बाद, वह दिसंबर 2025 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए।

बालेंद्र शाह अब नेपाल में राजनीतिक बदलाव और सुशासन के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं। चुनाव में झापा–5 निर्वाचन क्षेत्र से वह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सीधी चुनौती दे रहे हैं।

2. केपी शर्मा ओली

74 वर्षीय और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल–यूएमएल के नेता हैं। ओली नेपाल के सबसे अनुभवी और सियासी ध्रुवीकरण करने वाले प्रमुख नेताओं में से एक हैं। किशोरावस्था में ही वह अंडरग्राउंड कम्युनिस्ट गतिविधियों से जुड़ गए थे। 1973 में राजशाही के खिलाफ अभियान चलाने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और उन्होंने अपनी जिंदगी के 14 साल जेल में बिताए, जिनमें से 4 साल एकांतवास वाली जेल (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में थे।

सियासी सफररू लगभग छह दशकों के राजनीतिक करियर में वह चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनके आलोचक उन पर सत्तावादी होने और असहमति बर्दाश्त न करने का आरोप लगाते हैं, जबकि उनके समर्थक उन्हें मजबूत और राष्ट्रवादी नेता मानते हैं, जिसने भारत और चीन के साथ संबंधों को ठीक से साधा है। सितंबर 2025 के प्रदर्शनों के दौरान 77 लोगों की मौत का आरोप उन पर लगा था, हालांकि वह इसे नकारते हुए हिंसा के लिए घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराते हैं।

इसी युवा आंदोलन के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था, लेकिन वह अपनी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद पर वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

3. गगन थापा

गगन थापा का जन्म 1976 में हुआ था। 1990 में पूर्ण राजशाही के खिलाफ हुए लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दौरान एक किशोर के रूप में ही उनका झुकाव राजनीति की ओर हो गया था।

सियासी सफररू उन्होंने नेपाली कांग्रेस से जुड़ी छात्र राजनीति के जरिए अपनी जगह बनाई और 2006 के उस ऐतिहासिक जन–आंदोलन का प्रमुख चेहरा बने, जिसने राजा को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया था।

विरोध प्रदर्शनों के कारण कई बार जेल जा चुके थापा जब नेपाल की संसद में पहुंचे, तो वह वहां के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक थे। वह नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। जनवरी 2026 में उन्होंने शेर बहादुर देउबा के खिलाफ पार्टी के भीतर विद्रोह का नेतृत्व किया और पार्टी प्रमुख चुने गए। वह खुद को ऊर्जा और अनुभव के सही मिश्रण के रूप में पेश करते हैं। 49 वर्षीय गगन थापा नेपाली कांग्रेस के नए नेता हैं और पार्टी उन्हें अपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश कर रही है।

4. पुष्प कमल दहल 'प्रचंड'

71 वर्षीय पूर्व माओवादी नेता और तीन बार के प्रधानमंत्री प्रचंड अब नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और वह भी प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में गिने जा रहे हैं। मुख्यधारा की राजनीति में आने से पहले, प्रचंड एक पूर्व माओवादी नेता थे, जिन्होंने 2006 में राजनीति में शामिल होने से पहले एक दशक (1996 से 2006 तक) खूनी माओवादी विद्रोह का नेतृत्व किया था। वह तीन बार (2008–09, और 2016–17 के दौरान दो बार) देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, एक बड़े नेता होने के बावजूद हाल के समय में उनकी लोकप्रियता में काफी गिरावट दर्ज की गई है।

इन प्रमुख चेहरों के अलावा, शेर बहादुर देउबा जैसे कई अन्य पूर्व प्रधानमंत्री भी चुनाव नहीं लड़ने या पीछे हटने के बावजूद पर्दे के पीछे से नेपाल की राजनीति में अपना खासा प्रभाव बनाए हुए हैं। एक अन्य पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराय ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है और चुनाव के बाद एक अभिभावक (संभवतः राष्ट्रपति पद) की भूमिका निभाने की इच्छा जताई है।

इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं?

नेपाल में सितंबर 2025 में हुए युवाओं के प्रदर्शन मुख्य तौर पर तीन गंभीर समस्याओं से प्रेरित थे। इनमें सरकार में भ्रष्टाचार और वंशवाद, बेरोजगारी और आर्थिक ठहराव–गरीबी प्रमुख थे। ऐसे में अधिकतर राजनीतिक दलों ने इन्हीं तीन मुद्दों के इर्द–गिर्द अपनी राजनीति तय की है।

भ्रष्टाचार और सुशासन : सितंबर 2025 में युवाओं के भारी विरोध–प्रदर्शनों के बाद, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना और बेहतर सुशासन देना इस चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया है। युवाओं की मुख्य मांग यह रही है कि भ्रष्ट नेताओं को सजा मिले और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता आए।

बेरोजगारी और रोजगार सृजन : नेपाल में युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर काफी अधिक है, जिसके कारण रोजगार पैदा करना सभी राजनीतिक दलों के लिए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा है।

आर्थिक ठहराव और गरीबीरू नेपाल की लगभग 20 प्रतिशत आबादी अभी भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है। ऐसे में थमी हुई अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना और गरीबी कम करना मतदाताओं और चुनाव के अहम मुद्दों में शामिल है।

विदेशी कूटनीति और भू–राजनीतिक संतुलन : नेपाल एक लैंडलॉक देश है, इसलिए भारत और चीन जैसे शक्तिशाली पड़ोसी और प्रमुख व्यापारिक भागीदार देशों के साथ संबंधों को साधना भी एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। इसके अलावा अमेरिका भी इस चुनाव में रणनीतिक रूप से दिलचस्पी ले रहा है, जिससे इन देशों के बीच कूटनीतिक संतुलन बनाए रखना अगली सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती और मतदाताओं के लिए अहम विषय है।

क्या एक और ईरानी जहाज पर मंडरा रहा अमेरिकी हमले का खतरा? श्रीलंकाई मंत्री ने कर दिया खुलासा

अमेरिका ने बुधवार को हिंद महासागर में श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास ईरान की नौसेना का फ्रिगेट आईआरआईएस डेना पर हमला किया था। इस बीच श्रीलंका के मंत्री ने संकेत दिया कि ईरान के एक और जहाज पर खतरा मंडरा रहा है।

मंत्री ने क्या बताया?

श्रीलंका ने गुरुवार को कहा कि वह उचित कदमों पर विचार कर रहा है, क्योंकि एक दूसरा ईरानी जहाज उसके क्षेत्रीय जलक्षेत्र में प्रवेश की अनुमति मांग रहा है। सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नलिंदा जयथिसा ने संसद में विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा के सवाल के जवाब में कहा कि सरकार इस मामले से अवगत है और जहाज पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदमों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्रीय शांति बनाए रखने और जहाज पर सवार सभी लोगों की सुरक्षा के लिए इस मुद्दे को हल करने का प्रयास कर रहे हैं।

जयथिसा के अनुसार यह जहाज फिलहाल श्रीलंका के एक्सटेंडेड इकोनॉमिक जोन (र्म्) में इंतजार कर रहा है, लेकिन अभी वह देश के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में प्रवेश नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक जहाज ने आपातकालीन सहायता की मांग की है।

ईरान ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

इस हमले के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका को खुली चुनौती दे दी है। अराघची ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका ने ईरान के तट से 2,000 मील दूर समुद्र में एक जघन्य अपराध किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के मेहमान, लगभग 130 नाविकों को ले जा रहे फ्रिगेट श्डेनाश पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बिना किसी चेतावनी के हमला किया गया। उन्होंने आगे कहा कि मेरी बात याद रखना, अमेरिका को अपने इस कृत्य पर गहरा पछतावा होगा।

कब हुआ हमला?

हिंद महासागर में श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास ईरान की नौसेना का फ्रिगेट आईआरआईएस डेना 4 मार्च की तड़के डूब गया। यह घटना अमेरिका–इस्राइल–ईरान युद्ध के बीच गहरे समुद्री क्षेत्र में हुई पहली बड़ी नौसैनिक घटना मानी जा रही है। इससे संघर्ष के भारत के समुद्री क्षेत्र तक फैलने की आशंका बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार जहाज श्रीलंका के गाले शहर से करीब 40 नॉटिकल मील दक्षिण में डूबा। यह पोत हाल ही में विशाखापत्तनम में आयोजित बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास डप्स्।छ 2026 और इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने के बाद अपने देश लौट रहा था।

श्रीलंका ने क्या जानकारी दी थी?

श्रीलंकाई नौसेना और रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक यह हमला पनडुब्बी से दागे गए टॉरपीडो के जरिए किया गया। स्थानीय समय के अनुसार सुबह 5रू08 से 5रू30 बजे के बीच जहाज से संकट संदेश मिला, जिसमें समुद्र के नीचे हुए बड़े विस्फोट से जहाज को भारी नुकसान और तेजी से पानी भरने की जानकारी दी गई। कुछ ही मिनटों में जहाज रडार से गायब हो गया और डूब गया।

ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई को अंतिम विदाई, ईरान की इस्राइल को परमाणु केंद्र पर हमले की धमकी

अमेरिका–इस्राइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के निधन के बाद देश में शोक की लहर दौड़ गई है। सरकारी मीडिया ने जानकारी दी है कि मरहूम अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई के शव को तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला में रखने की तैयारी चल रही है। ग्रैंड मोसल्ला एक बड़ा प्रार्थना स्थल है, जिसका इस्तेमाल शहर के सबसे खास सरकारी और धार्मिक आयोजनों के लिए होता है। यह मरहूम सुप्रीम लीडर के लिए आयोजित तीन दिन के विदाई समारोह का हिस्सा है। मोसल्ला में हजारों शोक मनाने वालों के इकट्ठा होने की उम्मीद है। इस विदाई समारोह के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इस बीच, ईरान ने गुरुवार को इस्राइल की डिमोना परमाणु स्थल को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान ने कहा कि अगर इस्राइल और अमेरिका ने उसकी सरकार को गिराने की कोशिश की, तो वह इस परमाणु केंद्र को निशाना बनाएंगे। यह धमकी इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के बयान के बाद आई है। काट्ज ने कहा था कि ईरान की सरकार जो भी नया नेता लाएगी, वह इस्राइल के लिए एक टारगेट होगा।

इधर, इस्राइल की सेना ने बताया कि ईरान ने एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इसके कारण यरुशलम, सेंट्रल इस्राइल और वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों में खतरे के सायरन बजने लगे। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने श्ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4श के तहत मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। इस ऑपरेशन को श्या हसन इब्न अलीश नाम के कोड से शुरू किया गया। आईआरजीसी का दावा है कि उन्होंने इस्राइल और अमेरिका के सात से ज्यादा आधुनिक रडार सिस्टम नष्ट कर दिए हैं।

ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर प्रेस टीवी के अनुसार, उनकी मिसाइलों ने इस्राइल के 'थाड' (THAAD) डिफेंस सिस्टम को भी चकमा दे दिया।

किम जोंग उन का दावा- परमाणु ताकत से लैस होगी उत्तर कोरिया की नौसेना, नए युद्धपोत का किया निरीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने लगातार दो दिनों तक नए युद्धपोत (डिस्ट्रॉयर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्धपोत से दागी गई क्रूज मिसाइलों का परीक्षण भी देखा। किम ने अपनी नौसेना को परमाणु हथियारों से और अधिक मजबूत करने का वादा किया है। सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इस दौरे की जानकारी दी। किम जोंग उन ने मंगलवार और बुधवार को नम्पो के पश्चिमी शिपयार्ड का दौरा किया। वहां उन्होंने 5,000 टन के युद्धपोत श्चो ह्योनश जैसी श्रेणी के तीसरे जहाज के निर्माण कार्य का जायजा लिया। किम ने कहा कि श्चो ह्योनश का विकास उनकी सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी प्रगति है। यह जहाज परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है। दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहाज को बनाने में रूस ने मदद की है। हालांकि, कुछ लोग इसकी कार्यक्षमता पर संदेह भी जता रहे हैं। पिछले साल मई में इसी श्रेणी का दूसरा जहाज लॉन्चिंग के दौरान खराब हो गया था। इस नाकामी पर किम जोंग उन ने बहुत गुस्सा जाहिर किया था। उन्होंने इसे एक अपराध बताया था। उस जहाज का नाम श्कांग कोनश था, जिसे मरम्मत के बाद जून में फिर से लॉन्च किया गया। किम ने अब लक्ष्य रखा है कि अगले पांच वर्षों तक हर साल दो बड़े युद्धपोत बनाए जाएंगे। उनका पूरा ध्यान अब नौसेना की क्षमता बढ़ाने पर है। इसमें परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाना भी शामिल है। नम्पो शिपयार्ड में बन रहा तीसरा युद्धपोत अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है। किम जोंग उन ने दावा किया कि नौसेना को परमाणु हथियारों से लैस करने की कोशिशों में अच्छी प्रगति हो रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।